मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक

रांची, गुरुवार, 03 सितंबर 2026

संवत 2083, भाद्रपद कृष्ण 6 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 341 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ हिमालय से मिल रही चेतावनी, फिर भी नहीं संभल रहे हम

नेपाल बाढ़ : सोनू सूद ने बढ़ाया मदद का हाथ, बोले- 'तुम अकेले नहीं हो नेपाल ◂◂ 6

पलामू में युवक की गोली मारकर हत्या, विरोध में सड़क पर उतरे लोग

- कार रोककर फोन पर बात कर रहा था युवक, बाइक सवार बदमाशों ने बरसा दी गोलियां

संवाददाता

पलामू: जिले में बाइक सवार हमलावरों ने 32 वर्षीय एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना बुधवार रात करीब 9 बजे पलामू टाउन इलाके में हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई। गोली लगने के बाद वह गाड़ी से उतरकर भाग रहे थे, इसी क्रम में अपराधियों ने उन्हें दोबारा गोली मारी दी। घटना के बाद स्थानीय एवं परिजन ओमप्रकाश सिंह को इलाज के लिए हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हमलावरों की पहचान के साथ हत्या की वजह का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, ओमप्रकाश सिंह का आपराधिक इतिहास रहा है। ओमप्रकाश पर अकेले हुसैनाबाद थाना में कुल आठ मामलों में एफआईआर दर्ज है। घटना के देर रात ग्रामीणों और परिजनों ने हंगामा किया और रोड जाम कर दिया। हालांकि बाद में लोगों ने जाम हटा लिया।

फोन पर बात करते समय हुआ हमलाः पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, मृतक ने सड़क किनारे अपनी कार रोकी थी और किसी से फोन पर बात कर रहा था। इसी दौरान बाइक पर सवार हमलावर वहां पहुंचे और उस पर गोली चला दी। मृतक की पहचान शिवशक्ति नगर निवासी ओम प्रकाश सिंह के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, ओम प्रकाश सिंह हमलावरों से बचने के लिए अपनी कार का दरवाजा खोलकर निकलने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान हमलावरों ने उन पर दो राउंड फायरिंग की।

अस्पताल पहुंचने से पहले तोड़ा दमः गोली लगने के बाद स्थानीय लोगों ने ओम प्रकाश सिंह को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, घटना की सूचना मिलते ही मामले की जांच शुरू कर दी गई।

हमलावरों की पहचान और हत्या की वजह की तलाशः हुसैनाबाद थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि घटना की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस हमलावरों की पहचान करने के साथ-साथ हत्या के पीछे की वजह का भी पता लगाने में जुटी है। थाना प्रभारी ने कहा कि हमलावरों की पहचान और घटना के कारणों का पता लगाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस आसपास के इलाकों में जानकारी जुटा रही है और मामले के हर पहलू की जांच की जा रही है। पुलिस को कई महत्वपूर्ण जानकारी मिली है, जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जा रही है। इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में लोग ओमप्रकाश सिंह को देखने के लिए अस्पताल पहुंचे थे। जिस इलाके में यह घटना हुई है, वहां से हुसैनाबाद के विधायक का घर भी नजदीक में है।

कोर्ट ने सरकार से पूछा- जेपीएससी में कब तक होगी अध्यक्ष व मेंबर की नियुक्ति

रांची: वन विभाग में अधिकारियों एवं कर्मियों की कमी से संबंधित कोर्ट के स्वत संज्ञान पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। मामले में कोर्ट में सरकार को 10 सितंबर तक बताना है कि जेपीएससी में अध्यक्ष और मेंबर की नियुक्ति कितने दिनों में पूरी कर लेगी। मामले में जेपीएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरवाल और अधिवक्ता प्रिंस कुमार ने कोर्ट को बताया गया कि अस्सिटेंट कंजरवेटर आफ फॉरेस्ट और रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर की परीक्षा प्रक्रिया को सरकार की ओर से रद्द कर दिया गया है।
यहां बता दें कि पिछली सुनवाई में इसपर कोर्ट ने सरकार से कहा था कि जेपीएससी नियुक्ति वाली संवैधानिक संस्था है। जेपीएससी अध्यक्ष का पद रिक्त नहीं रखा जा सकता है। कोर्ट ने सरकार के अधिवक्ता को निर्देश दिया था कि वह सरकार से इंस्ट्रक्शन लेकर बताएं कि जेपीएससी में अध्यक्ष का पद कब तक भर दिया जाएगा। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस सोनक एवं न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की।

केएमपी एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा

अज्ञात वाहन ने ईको गाड़ी को मारी टक्कर 3 की मौत, तीन गंभीर,9 मजदूर घायल

एजेंसी

सोनीपत : हरियाणा के सोनीपत में कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेसवे पर गुरुवार तड़के भीषण सड़क हादसा हो गया। खरखौदा के आईएमटी के पास एक ईको गाड़ी को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ईको सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 9 मजदूर घायल हो गए। हादसा सुबह करीब 4 बजे हुआ।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने ईको में फंसे घायलों को बाहर निकाला और इलाज के लिए खरखौदा के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। गंभीर रूप से घायल तीन मजदूरों को प्राथमिक उपचार के बाद रोहतक पीजीआई रेफर किया गया है।जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले के बड़ेपुरा गांव के रहने वाले 12 लोग एक ठेकेदार के साथ ईको गाड़ी में सवार होकर हरियाणा के झज्जर जिले में बाजरे की कटाई के लिए जा रहे थे। सभी मजदूर रोजी-रोटी कमाने के लिए अपने घरों से निकले थे।

ईको जब खरखौदा क्षेत्र में आईएमटी के पास केएमपी एक्सप्रेसवे पर पहुंची, तभी एक अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ईको बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में ड्राइवर और आगे की सीट पर बैठे दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पीछे बैठे नौ मजदूर घायल हो गए। हादसे के बाद टक्कर मारने वाला वाहन चालक मौके से फरार हो गया।

सभी घायलों को इलाज के लिए खरखौदा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से तीन की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर उपचार के लिए रोहतक पीजीआई रेफर किया गया है।

उधर, पुलिस ने तीनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सोनीपत के सिविल अस्पताल भेज दिया है। मृतकों की पहचान के बाद उनके परिजनों को हादसे की सूचना दे दी गई है।

खरखौदा थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के साथ आसपास लगे उउळश कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है। जांच के जरिए यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि ईको को किस वाहन ने टक्कर मारी और हादसा किन परिस्थितियों में हुआ। पुलिस फरार वाहन चालक की पहचान कर उसकी तलाश में जुटी है।

लखनऊ में एअर इंडिया विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

विमान ने वाराणसी से उड़ान भरा था, कार्गो कंपार्टमेंट में धुएं का अलार्म बजा

एजेंसी

लखनऊः वाराणसी से दिल्ली जा रही एअर इंडिया एक्सप्रेस के विमान की गुरुवार सुबह लखनऊ एयरपोर्ट पर इमरजैंसी लैंडिंग करानी पड़ी। सूत्रों के मुताबिक विमान के कार्गो में धुएं का अलार्म बजा था। पायलट ने तुरंत लखनऊ एयरपोर्ट संपर्क किया। एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से परमिशन मिलते ही लैंडिंग कराई। विमान के उतरते ही रिस्पॉन्स टीम ने मोर्चा संभाला। फायर बिग्रेड और टेक्निकल एक्सपर्ट भी मौके पर पहुंचे। विमान की जांच की गई।विमान (क 1253) ने वाराणसी एयरपोर्ट से गुरुवार सुबह 8 बजे उड़ान भरी। थोड़ी

देर बाद ही कार्गो में स्मोक डिटेक्शन का अलार्म बजने लगा। इसके बाद पायलट ने सुबह 8:52 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर लैंडिंग कराई।
सुबह 9:02 बजे विमान से 155 यात्रियों और क्रू को उतारा गया। जांच के बाद विमान को एयरपोर्ट के स्टैंड पर पार्क किया गया। शुरूआती जांच के बाद बताया गया कि विमान में धुएं का कोई संकेत नहीं मिला। ऐसे में अलार्म कैसे बजा, इसकी भी जांच की जा रही है।

धनबाद में जोरदार धमाके के साथ धंसी जमीन उठने लगी आग की लपटें, मचा हड़कंप

संवाददाता

धनबादः बीसीसीएल लोदना क्षेत्र 10 के बरारी छह नंबर बस्ती के पास गुरुवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब तेज आवाज के साथ अचानक जमीन धंस गई। देखते ही देखते धंसी जमीन से धुआं निकलने लगा और आग की लपटें उठने लगीं। घटना के बाद आसपास के इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोग किसी बड़े हादसे की आशंका को लेकर चिंतित हैं। जमीन धंसने की घटना का असर अब लक्ष्मी कॉलोनी जाने वाली सड़क पर भी पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, अगर धंसाव का दायरा बढ़ा तो सड़क भी इसकी चपेट में आ सकती है। ऐसे में इस रास्ते से वाहनों और लोगों की आवाजाही प्रभावित होने के साथ-साथ हादसे

का खतरा भी बढ़ सकता है। लोगों ने पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। साथ ही दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग भी उठाई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जमीन के नीचे आग और धंसाव की स्थिति को देखते हुए प्रभावित इलाके को तत्काल सुरक्षित किया जाना जरूरी है। यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो धंसाव का दायरा बढ़ सकता है, जिससे बस्ती के साथ-साथ सड़क से गुजरने वाले लोगों और वाहनों पर भी खतरा मंडरा सकता है।

जमीन धंसने और आग की लपटें उठने की सूचना मिलते ही बीसीसीएल की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मौजूदा स्थिति का जायजा लिया। प्रबंधन की ओर से जमीन धंसने और आग लगने के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और बीसीसीएल प्रबंधन से प्रभावित क्षेत्र की तत्काल घेराबंदी कराने, सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने और लगातार निगरानी रखने की मांग की है।

वहीं, मामले को लेकर झरिया सीओ मनोज कुमार ने कहा कि मुझे घटना की जानकारी नहीं है। वहीं, कोलियरी प्रबंधक अनिल महतो से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि घटना हुई होगी। बीसीसीएल की टीम गई होगी। हम बीसीसीएल के प्रवक्ता नहीं है, इसलिए हम नहीं बता सकते हैं।

290 करोड़ के बैंक फ्रॉड केस में ईडी का बड़ा एक्शन, 11 ठिकानों पर छापेमारी

- कोहिनूर पावर प्राइवेट लिमिटेड ने झारखंड में 66 मेगावाट क्षमता का पावर प्लांट स्थापित करने के लिए विभिन्न बैंकों से लिया था कर्ज

एजेंसी

कोलकाता : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोहिनूर पावर प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े करीब 290 करोड़ रुपये के बैंक फ्रॉड मामले में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी की कोलकाता जोन-1 की टीम ने गुरुवार सुबह कंपनी से जुड़े 11 परिसरों पर छापेमारी शुरू की। जांच एजेंसी की यह कार्रवाई कंपनी के प्रमोटरों, निदेशकों और ऑडिटरों से जुड़े ठिकानों पर की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, कोहिनूर पावर प्राइवेट लिमिटेड ने झारखंड में 66 मेगावाट क्षमता का पावर प्लांट स्थापित करने के लिए विभिन्न बैंकों से कर्ज लिया था। आरोप है कि प्लांट की स्थापना

के लिए लिए गए कर्ज की रकम का इस्तेमाल निर्धारित उद्देश्य के बजाय समूह की अन्य कंपनियों में डायवर्ट कर दिया गया।

कर्ज की रकम के कथित डायवर्जन के बाद कंपनी आर्थिक संकट में फंस गई और बाद में मामला राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) तक पहुंचा। दिवाला समाधान प्रक्रिया के दौरान कंपनी से महज करीब 7 करोड़ रुपये की ही वसूली हो सकी। इससे कर्ज देने वाले बैंकों को भारी वित्तीय नुकसान हुआ। इसके बाद मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय को सौंपी गई। ईडी अब कथित बैंक फ्रॉड और कर्ज की रकम के डायवर्जन से जुड़े मनी ट्रेल की जांच कर रही है।

अयोध्या राम मंदिर की नयी ट्रस्टी निर्मला यादव ने कहा-

भगवान ने मुझे चुना है, पूरी ईमानदारी से करूंगी काम

एजेंसी

अयोध्याः श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की नई सदस्य डॉ निर्मला यादव ने गुरुवार को कहा कि भगवान ने उन्हें इस पद के लिए चुना है और उन्होंने लगन, कड़ी मेहनत और ईमानदारी से अपनी ज़िम्मेदारी निभाने की इच्छा जताई। मंदिर ट्रस्ट ने बुधवार को रिटायर्ड एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा को अपना पहला मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया। इसके अलावा, तीन नए ट्रस्टी भी शामिल किए गए - शिक्षाविद निर्मला यादव, वकील मदन मोहन पांडे और व्यवसायी-समाजसेवी महेश भागचंदका।

पिछले साल बिमलेंद्र मोहन मिश्रा के निधन और चंदा चोरी के विवाद के बाद पूर्व महासचिव चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे के कारण ये तीन पद खाली हो गए थे। यादव ने कहा, मैं बस इतना ही कहूंगी - मुझे पूरे देश में से चुना गया, जो इस बात

का संकेत है कि भगवान ने मुझे चुना है। उनकी इच्छा और कृपा के बिना कुछ भी संभव नहीं है। मेरे चयन में किसी और की कोई भूमिका नहीं है। भगवान की कृपा मुझ पर और मेरे परिवार पर बनी रही है। उन्होंने यह भी कहा कि उनका चयन मातृ शक्ति (महिला शक्ति) का प्रतिनिधित्व करता है।

ट्रस्टी के तौर पर अपनी नई ज़िम्मेदारी के बारे में यादव ने कहा कि वह अपने सिद्धांतों से समझौता किए बिना पूरी लगन से काम करेंगी। यादव ने कहा, चाहे प्रशासन हो, व्यवस्था हो, सुविधाएं हों या सुरक्षा, मैं जो भी सुधार संभव होंगे, उनके लिए अपने सुझाव दूंगी और व्यवस्था को बेहतर बनाने की कोशिश करूंगी। उन्होंने आगे कहा, अब जब राम लला का बुलावा आ गया है, तो मुझे पूरी लगन से काम करना है।

पूर्व प्रिंसिपल और शिक्षाविद यादव ने कहा कि वह दशकों से शैक्षिक और सामाजिक संगठनों से जुड़ी रही हैं। उन्होंने बताया कि उनके माता-पिता, महावीर सिंह यादव और राजवती, अब इस दुनिया में नहीं हैं, जबकि उनके ससुर, पूर्व मेजर सूर्य कुमार यादव, रिटायरमेंट के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े हुए थे। धीरे-धीरे मेरा परिवार संघ से जुड़ गया। 1983 में मेरी शादी के बाद, मैं आरएसएस और बजरंग दल के कई पदाधिकारियों से मिली जो हमारे घर आते-जाते थे। उन्होंने कहा, मैं शिक्षा से जुड़े कामों में शामिल हो गई और सरस्वती शिशु मंदिरों में काम किया। मेरी बेटी शिकोहाबाद के बालिका विद्या मंदिर की शुरूआती छात्राओं में से एक थी, जो बाद में एक इंटरमीडिएट कॉलेज बन गया।

यादव 1987 में शिकोहाबाद के बीडीएम म्युनिसिपल गर्ल्स कॉलेज में लेक्चरर बनीं और 1999 में प्रिंसिपल बनाई गईं। 2006 में, उन्होंने फिरोजाबाद के महात्मा गांधी पीजी कॉलेज में प्रिंसिपल का पद संभाला, जहाँ से वे 2022 में रिटायर हुईं। यादव ने अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के साथ अपने जुड़ाव को भी याद किया; वे 1999 में इसके पदाधिकारी ओम पाल सिंह से मिलने के बाद इससे जुड़ी थीं।

उन्होंने 2019 से 2022 तक इसके उपाध्यक्ष और राज्य अध्यक्ष के तौर पर काम किया। अभी वे इसकी वर्किंग काउंसिल से जुड़ी हैं और अखिल भारतीय सह-संपर्क प्रमुख की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। यादव ने आगरा की डॉ। भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी की एग्जीक्यूटिव काउंसिल में गवर्नर द्वारा नॉमिनेटेड सदस्य के तौर पर भी दो साल तक काम किया।

झारखंड हाईकोर्ट के पूर्व कार्यवाहक चीफ जस्टिस व दिल्ली के लोकायुक्त हरीश चंद्र मिश्रा का निधन

मेट्रो रेज

दिल्ली : झारखंड उच्च न्यायालय के पूर्व कार्यवाहक चीफ जस्टिस और दिल्ली के लोकायुक्त हरीश चंद्र मिश्रा का आज यानी 3 सितंबर की सुबह नई दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में निधन हो गया है। उनके निधन की खबर से झारखंड के न्यायिक क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। दिवंगत जस्टिस एच। सी। मिश्रा का झारखंड के साथ बेहद गहरा और ऐतिहासिक संबंध रहा है वह राज्य के गठन के बाद वर्ष 2000 में वे झारखंड सुपीरियर ज्यूडिशियल सर्विस में शामिल हुए।

झारखंड से रहा गहरा और ऐतिहासिक संबंधः इसके बाद उन्होंने देवघर में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, रांची में सीबीआई के विशेष न्यायाधीश (चारा घोटाला मामलों की सुनवाई) तथा देवघर व चाईबासा में जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में अपनी सेवाएं दीं। वे झारखंड राज्य

विधिक सेवा प्राधिकरण (जलसा) के सदस्य सचिव और झारखंड हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल भी रहे। अप्रैल 2011 में उन्हें झारखंड उच्च न्यायालय में जज के रूप में पदोन्नत किया गया था और अगस्त 2019 से नवंबर 2019 तक उन्होंने झारखंड हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश का अहम पद संभाला था। सेवानिवृत्ति के बाद बने दिल्ली के लोकायुक्तः मार्च 2021 में सेवानिवृत्त होने के बाद उन्हें दिल्ली का लोकायुक्त नियुक्त किया गया था। झारखंड हाईकोर्ट के वकीलों और न्यायाधीशों ने उन्हें एक अत्यंत सौम्य, निष्पक्ष और कानून के ज्ञाता के रूप में याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष अजीत कुमार और महासचिव नवीन कुमार ने गहरी संवेदना जताते हुए कहा कि उनका जाना झारखंड न्यायपालिका के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

न्याय जगत ने खोया एक महत्वपूर्ण स्तंभ

जस्टिस हरीशचन्द्र मिश्र के असामयिक निधन पर झारखंड उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ की पूर्व अध्यक्ष ऋतु कुमार एवं पूर्व कोषाध्यक्ष धीरज कुमार ने गहरा शोक प्रकट करते हुए कहा कि उनके निधन से न्याय एवं कानून जगत का एक स्तम्भ हिल गया है। इसकी क्षति पूर्ति निकट भविष्य में संभव नहीं है।

मुख्यमंत्री ने की नगर विकास और पथ निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक

सड़क- ड्रेनेज की पूरी संरचना को एकीकृत रूप से डिजाइन कर समय पर पूरा करने दिया निर्देश

आबादी एवं स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास की कार्ययोजना तैयार की जाए

संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को झारखंड मंत्रालय में नगर विकास एवं आवास विभाग तथा पथ निर्माण विभाग द्वारा संचालित कार्यों, योजनाओं एवं परियोजनाओं की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, प्रधान सचिव सुनील कुमार, उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री, वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन सहित संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारी एवं अधिकारी उपस्थित थे।

विकास परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षाः समीक्षा के दौरान रांची शहर को व्यवस्थित, सुगम एवं आधुनिक शहर के रूप में विकसित करने से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से विचार विमर्श किया गया। शहर के रोड नेटवर्क, फ्लाईओवर, विभिन्न पार्कों, चौक-चौराहों, यातायात व्यवस्था, ड्रेनेज सिस्टम तथा चल रही विकास परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा की गई। साथ ही रांची के मास्टर प्लान एवं आगामी वर्षों के लिए विकास की कार्ययोजना पर भी विस्तृत चर्चा हुई।

समग्र कार्ययोजना तैयार करने के निर्देशः मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि शहर के बढ़ते विस्तार और आबादी को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक एवं समग्र कार्ययोजना तैयार की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास का दायरा केवल रांची शहर तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि राज्य के अन्य प्रमुख शहरों को भी सुनियोजित एवं आधुनिक सुविधाओं से युक्त शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया जाए।

जल निकासी की समुचित व्यवस्थाः उन्होंने निर्देश दिया कि शहरों को जोनवार विभाजित कर आबादी एवं स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास की कार्ययोजना तैयार की जाए। मुख्यमंत्री ने सड़क निर्माण की योजनाओं में जल निकासी की समुचित व्यवस्था को सड़क निर्माण का अभिन्न हिस्सा मानते हुए कार्य करने का निर्देश दिया।

सड़क एवं ड्रेनेज की पूरी संरचना को एकीकृत रूप से डिजाइन किया जायेः मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क के दोनों किनारों पर सुव्यवस्थित एवं वैज्ञानिक तरीके से ड्रेनेज सिस्टम विकसित किया जाए तथा सड़क एवं ड्रेनेज की पूरी संरचना को एकीकृत रूप से डिजाइन किया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि ड्रेनेज सिस्टम को सड़क की संरचना के अनुरूप पर्याप्त चौड़ाई एवं आवश्यक स्थान उपलब्ध कराया जाए, ताकि भविष्य में सड़क के किनारे अनियोजित निर्माण अथवा अतिक्रमण की स्थिति उत्पन्न न हो।

समग्र डिजाइन तैयार करने के निर्देशः मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सड़क की चौड़ाई, जल निकासी, पैदल यात्रियों की सुविधा एवं यातायात के सुचारू संचालन को ध्यान

में रखते हुए समग्र डिजाइन तैयार किया जाए। विशेष रूप से बारिश के दौरान जलजमाव की समस्या वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर वहां प्रभावी ड्रेनेज नेटवर्क विकसित किया जाए, ताकि जल निकासी निर्बाध रूप से हो सके और सड़कों पर पानी जमा होने के कारण यातायात बाधित न हो।

सड़क निर्माण समेत संचालित विकास कार्यों को पूरा करने का सख्त निर्देशः मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक के दौरान सड़क निर्माण एवं अन्य संचालित विकास कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा। सभी विभाग एवं संबंधित एजेंसियां आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए परियोजनाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित करें, ताकि निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्धारित समय में पूरा हो और इसका सीधा लाभ आम लोगों को मिल सके।

सीएम ने वेंडर्स को लेकर दिया निर्देशः मुख्यमंत्री ने सड़क किनारे ठेला, गुमटी एवं अन्य स्वरोजगार के माध्यम से आजीविका चलाने वाले वेंडर्स को व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी वेंडर्स को चिन्हित करते हुए उनके लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शहर के प्रत्येक वार्ड में आवश्यकता के अनुरूप वेंडर मार्केट विकसित करने की दिशा में कार्य किया जाए, ताकि सड़क किनारे अनियोजित तरीके से लगने वाले बाजार एवं दुकानों के कारण होने वाले जाम और भीड़ की समस्या को कम किया जा सके। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि वेंडर्स की आजीविका प्रभावित न हो और उन्हें सम्मानजनक एवं व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराया जाए।

यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने पर जोरः मुख्यमंत्री ने रांची शहर की यातायात व्यवस्था को और अधिक सुचारू एवं व्यवस्थित बनाने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने शहर में संचालित सभी बसों की संख्या, उनके रूट एवं समय-सारणी का समुचित डेटा तैयार करने को कहा, ताकि सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बेहतर ढंग से संचालित किया जा सके और अनावश्यक भीड़ एवं यातायात दबाव को कम किया जा सके।

सुरक्षित टर्निंग की व्यवस्थाः उन्होंने शहर की सड़कों के बीच बने अनावश्यक कटों को चिन्हित कर उन्हें बंद करने तथा वाहनों के लिए निर्धारित चौक-चौराहों से ही सुरक्षित टर्निंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनावश्यक कट के कारण वाहनों की आवाजाही प्रभावित होती है और कई स्थानों पर यातायात व्यवस्था बाधित होती है। ऐसे सभी स्थानों का अध्ययन कर आवश्यक सुधार किया जाए।

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने रांची शहर को स्वच्छ, सुरक्षित एवं व्यवस्थित स्वरूप प्रदान करने के लिए सड़कों, गलियों एवं सार्वजनिक स्थानों पर लटक रहे बिजली, टेलीकॉम एवं अन्य केबल तारों को व्यवस्थित करने का निर्देश दिया।

अव्यवस्थित तरीके से लिपटे तारों को हटाने के निर्देशः उन्होंने कहा कि शहर की सड़कों एवं प्रमुख मार्गों पर खंभों में अव्यवस्थित तरीके से लिपटे तारों तथा पेड़ों की शाखाओं पर लटक रहे अनावश्यक एवं अनुपयोगी तारों को चिन्हित कर नियमानुसार हटाया जाए तथा उपयोग में आ रहे तारों को व्यवस्थित तरीके से लगाया जाए। उन्होंने कहा कि सड़कों के किनारे एवं चौक-चौराहों पर तारों का अनियोजित जाल शहर की सुंदरता को प्रभावित करने के साथ-साथ आम लोगों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर समस्या उत्पन्न कर सकता है, इसलिए संबंधित विभाग एवं एजेंसियां आपसी समन्वय स्थापित कर ऐसे स्थानों का सर्वे कराएं और लटकते एवं अव्यवस्थित तारों को प्राथमिकता के आधार पर व्यवस्थित करने की कार्रवाई सुनिश्चित करें।

भूमि पर अवैध कब्जों को चिन्हित करने का निर्देशः उन्होंने निर्देश दिया कि नए केबल एवं अन्य विद्युत/संचार तार बिछाने के दौरान भी निर्धारित मानकों एवं तकनीकी प्रावधानों का पालन किया जाए। सड़कों के किनारे बार-बार खुदाई की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए विभिन्न विभागों एवं संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर एक समेकित व्यवस्था विकसित की जाए जहां संभव हो, केबल एवं अन्य उपयोगिताओं के लिए निर्धारित कॉरिडोर अथवा डक्ट की व्यवस्था करने की दिशा में भी कार्य किया जाए। मुख्यमंत्री ने सरकारी भूमि पर किए गए अवैध कब्जों को चिन्हित कर नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

अतिक्रमण एवं अनियोजित वेंडिंग की समस्याः उन्होंने कहा कि सड़क किनारे अतिक्रमण एवं अनियोजित वेंडिंग की समस्या का समाधान करते हुए संबंधित लोगों के लिए वैकल्पिक एवं व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराया जाए, ताकि शहर की यातायात व्यवस्था भी सुचारू रहे और लोगों की आजीविका भी प्रभावित न हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रांची सहित राज्य के अन्य शहरों के विकास की योजना बनाते समय शहरी नियोजन, सड़क नेटवर्क, यातायात, ड्रेनेज, स्वच्छता, ठोस कचरा प्रबंधन, वेंडर व्यवस्था, सार्वजनिक परिवहन, पार्क एवं हरित क्षेत्र सहित सभी आवश्यक पहलुओं को समग्र रूप से शामिल किया जाए।

रांची में कोचिंग संस्थानों पर नगर निगम की बड़ी कार्रवाई, पांच कोचिंग सील

18 पर लटकी तलवार

संवाददाता

रांची : राजधानी रांची में कोचिंग संस्थानों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को लेकर रांची नगर निगम ने सख्त रुख अपनाया है। निर्धारित सुरक्षा और भवन मानकों का अनुपालन नहीं करने वाले कोचिंग संस्थानों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष जांच अभियान के तहत नगर निगम ने बुधवार को पांच संस्थानों को सील कर दिया। कार्रवाई के बाद कोचिंग संचालकों में हड़कंप मच गया है। निगम ने साफ किया है कि विद्यार्थियों की सुरक्षा से किसी भी स्थिति में समझौता नहीं किया जाएगा।

नगर निगम की टीम लाइब्रेरी का निरीक्षण कर रहीः नगर निगम की टीम शहर के अलग-अलग इलाकों में संचालित कोचिंग संस्थानों और लाइब्रेरी का निरीक्षण कर रही है। जांच के दौरान संस्थानों में फायर एनओसी, अग्निशमन उपकरण, आग से

बचाव की व्यवस्था, विद्युत सुरक्षा मानक, पर्याप्त वेंटिलेशन, सुरक्षित प्रवेश और निकास मार्ग, विद्यार्थियों की निर्धारित क्षमता के अनुरूप नामांकन, उपलब्ध स्थान और ट्रेड लाइसेंस समेत भवन एवं सुरक्षा से जुड़े अन्य मानकों की जांच की जा रही है।

पांच कोचिंग संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई की गईः इसी अभियान के तहत हरिओम टावर में संचालित पांच कोचिंग संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई की गई। नगर निगम ने द पाठशाला, पतंजलि आईएएस एकेडमी, मोशन एकेडमी, क्लैट प्रिपरेशन और चौतन्या आईएएस एकेडमी को नियमानुसार सील कर दिया। निगम की कार्रवाई का मुख्य आधार निर्धारित वैधानिक प्रावधानों और भवन उपविधियों का अनुपालन नहीं किया जाना बताया गया है। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, जांच के दौरान कई संस्थानों में सुरक्षा व्यवस्था और भवन से जुड़े मानकों में कमियां सामने आई हैं। ऐसे संस्थानों को नियमों के अनुरूप व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए जा रहे हैं। वहीं, गंभीर अनियमितता पाए जाने पर सीलिंग समेत अन्य कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नराकास की बैठक में हिंदी के प्रयोग पर जोर

रांची : नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (केंद्रीय कार्यालय), रांची की 31वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य आयकर आयुक्त एवं समिति के अध्यक्ष राधे श्याम ने की। इसमें केंद्र सरकार के 48 सदस्य कार्यालयों के कार्यालय प्रधान, विभागाध्यक्ष एवं राजभाषा प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान से हुई। इसके बाद समिति के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ सदस्यों ने दीप प्रज्वलित कर बैठक का औपचारिक शुभारंभ किया। उपस्थित कार्यालय प्रधानों ने अपना परिचय दिया। बैठक में सदस्य सचिव प्रसून कुमार ने राजभाषा प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसमें सदस्य कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग तथा राजभाषा नीति के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा की गई। विभिन्न कार्यालयों में हिंदी में किए जा रहे कार्यों और राजभाषा गतिविधियों पर भी चर्चा हुई। हिंदी के प्रति रुचि एवं जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से बैठक के दौरान राजभाषा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई।

राज्य में बढ़ रहे है स्वाइन फ्लू के मामले

38 से ज्यादा संक्रमित, रिम्स में 36 सैंपल की जांच में 12 पॉजिटिव

संवाददाता

रांची : राज्य में स्वाइन फ्लू संक्रमण का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। राज्य में संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने सतर्कता बढ़ा दी है। रिम्स में अब तक 36 सैंपल की जांच की गई है, जिसमें 12 मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव मिली है। वहीं, राज्य में अब तक 38 से अधिक संक्रमित मरीज मिलने की बात सामने आ रही है। राजधानी रांची समेत विभिन्न जिलों से मरीज इलाज के लिए रिम्स पहुंच रहे हैं।

बच्चों और बुजुर्गों में संक्रमण का खतरा अधिकः स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, ल्1ठ1 एक श्वसन संबंधी संक्रमण है, जो संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छींकने या सांस के दौरान निकलने वाली बूंदों के संपर्क में आने से फैल सकता है। बच्चों और बुजुर्गों में संक्रमण का खतरा अधिक रहता है। इसके अलावा, पहले से किसी बीमारी से पीड़ित लोगों को भी विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है।

तेज बुखार और खांसी समेत ये हैं प्रमुख लक्षणः स्वाइन फ्लू के प्रमुख लक्षणों में तेज बुखार, खांसी, गले में खराश, नाक बहना या बंद होना, सिरदर्द, शरीर में दर्द और अत्यधिक थकान शामिल हैं। चिकित्सकों का कहना है कि यदि मरीज को सांस लेने में परेशानी, सीने में दर्द, लगातार तेज बुखार, अत्यधिक कमजोरी या होंठ और चेहरे का रंग नीला पड़ने जैसे गंभीर लक्षण दिखाई दें तो तत्काल अस्पताल पहुंचना चाहिए।

रिम्स में संक्रमित मरीजों के लिए विशेष वार्ड तैयारः बढ़ते संक्रमण को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने रिम्स में स्वाइन फ्लू संक्रमित मरीजों के लिए अलग विशेष वार्ड तैयार किया है। गंभीर मरीजों को आवश्यकता के अनुसार आईसीयू में भर्ती किया जा रहा है। चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की टीम मरीजों की 24 घंटे निगरानी कर रही है।

ब्राउन शुगर व गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

रांची : लोअर बाजार थाना क्षेत्र के डोम टोली तालाब पट्टी इलाके में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के पास से गांजा और उसके सफारी वाहन से ब्राउन शुगर बरामद किया है।

जानकारी के अनुसार, वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर लगातार मिल रही सूचना का सत्यापन किया गया। सूचना थी कि डोम टोली निवासी मो. अनस कुरैशी सफेद रंग की टाटा सफारी वाहन से मादक पदार्थ की बिक्री कर रहा है।

1 सितंबर को पुलिस टीम ने वाहन की जांच की और वाहन के मालिक की पहचान मो. अनस कुरैशी के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी और उसके वाहन की तलाशी ली। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से करीब 16 ग्राम गांजा और 20 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई।

बंद कोयला खदानों को मिलेगा नया जीवन, गिरिडीह और रामगढ़ में बनेगा विकास का नया मॉडल

संवाददाता

रांची : झारखंड की बंद होने वाली कोयला खदानें अब केवल खनन के अतीत की निशानी नहीं रहेंगी, बल्कि भविष्य की आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय गतिविधियों का नया केंद्र बन सकती हैं। इसी सोच के साथ राज्य सरकार ने गिरिडीह ओपन कास्ट प्रोजेक्ट (ओसीपी) और रामगढ़ की करमा ओसीपी को बंद खदानों के पुनर्वास और पुनर्पयोग की पायलट परियोजना के लिए चुना है। भारत सरकार के कोयला मंत्रालय और जर्मनी की विकास सहयोग संस्था जीआइजेड के सहयोग से संचालित टेकनिक्ल कॉपरेशन ऑन टू बी क्लोज्ड माइंस (टीसीसीएम) परियोजना के तहत इन दोनों खदानों के लिए विस्तृत योजना तैयार की जायेगी।

बुधवार को रांची में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में दोनों खदानों को पायलट परियोजना के लिए अंतिम रूप देने पर सहमति बनी। बैठक में खान एवं भूतत्व विभाग के सचिव अरवा राजकमल, कोयला मंत्रालय, कोल कंट्रोलर ऑगेनाइजेशन, सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल), सीएमपीडीआइ और जीआइजेड के प्रतिनिधि शामिल हुए।

खदान बंदी को मिलेगा नया अर्थः आमतौर पर खदान बंद होने के बाद वहां की भूमि और संसाधन अनुपयोगी हो जाते हैं। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है और रोजगार के अवसर भी घट जाते हैं। टीसीसीएम परियोजना का उद्देश्य इस सोच को बदलना है। इसके तहत खदान बंदी को केवल खनन गतिविधि की समाप्ति नहीं माना जायेगा, बल्कि उसे क्षेत्र के पुनर्निर्माण और नये विकास अवसरों से जोड़ा जायेगा।

गिरिडीह और करमा ओसीपी के लिए फइनल माइंस क्लोज व रीपरपोजिंग प्लान तैयार किया जायेगा। इसमें भूमि उपयोग, जल संसाधन, पर्यावरणीय पुनर्स्थापन, आधारभूत संरचना और स्थानीय अर्थव्यवस्था के पुनर्विकास की संभावनाओं का विस्तृत अध्ययन किया जायेगा। अंतरराष्ट्रीय अनुभवों और आधुनिक तकनीकों के आधार पर तैयार होने वाली यह योजना भविष्य में देश की अन्य बंद होने वाली कोयला खदानों के लिए भी मॉडल बन सकती है।

नवीकरणीय ऊर्जा से पर्यटन तक की संभावनाएंः परियोजना के तहत बंद खदानों की भूमि का उपयोग नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं, पर्यटन, कृषि, बागवानी, मत्स्य पालन, सामुदायिक सुविधाओं और कौशल विकास केंद्रों के लिए करने की संभावनाओं का अध्ययन किया जायेगा। इससे खनन आधारित अर्थव्यवस्था वाले क्षेत्रों में रोजगार के नये अवसर सृजित हो सकते हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि कोयला भंडार समाप्त होने के बाद भी इन क्षेत्रों को आर्थिक रूप से सक्रिय रखा जा सकता है। यदि खदानों की भूमि का योजनाबद्ध तरीके से उपयोग किया जाये, तो स्थानीय लोगों को वैकल्पिक रोजगार उपलब्ध कराया जा सकता है और क्षेत्रीय विकास की गति बनी रह सकती है।

स्थानीय लोगों की भागीदारी पर रहेगा जोरः परियोजना में प्रभावित समुदायों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति का आकलन भी किया जायेगा। स्थानीय लोगों की आजीविका, कौशल और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पुनर्पयोग की योजना तैयार होगी। इसके लिए स्थानीय समुदाय, जिला प्रशासन और विभिन्न विभागों को भी प्रक्रिया में शामिल किया जायेगा।

परियोजना के तहत कौशल विकास, पुनःप्रशिक्षण और वैकल्पिक रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान दिया जायेगा, ताकि खदान बंद होने के बाद लोगों की आय और रोजगार पर प्रतिकूल असर न पड़े।

करमा ओसीपी के आठ गांव फोकस मेंः करमा ओसीपी के पांच किलोमीटर के प्रभाव क्षेत्र में आने वाले आठ गांवों को परियोजना के लिए चिह्नित किया गया है। इनमें सुगिया, मरार, बोंगाबार, करमा, कैथा, कंडेर, लोढ़मा और पैंकी शामिल हैं। इन गांवों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति, कमजोर वर्गों की स्थिति और रोजगार की संभावनाओं का अध्ययन किया जा रहा है।

मार्च 2030 तक चलेगी परियोजनाः परियोजना के तहत पुनर्वास और पुनर्पयोग की विस्तृत डीपीआर तैयार की जायेगी। इसमें पर्यावरणीय पुनर्स्थापन, जल प्रबंधन, माइन वाइड मैनेजमेंट और स्थानीय आधारभूत संरचनाओं के उपयोग जैसे पहलुओं को शामिल किया जायेगा। साथ ही पुनर्वासित क्षेत्रों में निवेश और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की संभावनाएं भी तलाश की जायेंगी।

सीबीआई ने बोकारो से लापता नाबालिग लड़की मामले में दर्ज की प्राथमिकी

संवाददाता

रांची : सीबीआई (रांची) ने बोकारो से लापता नाबालिग लड़की के मामले में अज्ञात अभियुक्तों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। हाईकोर्ट के आदेश के आलोक में इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की गयी है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2020 में बोकारो से 14 वर्षीय नाबालिग लड़की लापता हो गयी थी। इस सिलसिले में पीड़ित पक्ष की ओर से 16 अक्टूबर 2020 को थाने में प्राथमिकी दर्ज की गयी थी। पहले पुलिस ने इस मामले की जांच की। लेकिन किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी।

जांच के दौरान तीन लोगों का नारको टेस्ट भी कराया गया,

लेकिन लापता लड़की के मामले में किसी तरह की जानकारी नहीं मिल सकी। इसके बाद लड़की की मां ने हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की। इसमें सरकार की ओर से कोर्ट को यह जानकारी दी गयी कि पुलिस की असफलता के बाद इस मामले की जांच सीआईडी को सौंप दी गयी है।

कोर्ट के आदेश पर सीआईडी ने जांच में प्रगति की रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट में लापता लड़की की घटना को ह्यूमन ट्रैफिकिंग से संबंधित होने की आशंका जतायी गयी। साथ ही सीआईडी इसे अंतर्राज्यीय मामला बताते हुए तकनीकी कारणों से जांच में असमर्थता जतायी। इसके बाद कोर्ट ने सीबीआई और सरकार से जांच के मामले में राय मांगी।

सीबीआई ने जांच के मामले में अपनी सहमति दी। राज्य सरकार ने भी कोर्ट को यह कहा कि मामले की जांच सीबीआई को सौंपने से उसे कोई आपत्ति नहीं है। सीबीआई और राज्य सरकार की राय जानने के बाद हाईकोर्ट ने लापता लड़की के मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया।

सरदार पटेल की जयंती पर गुजरात में मोटरसाइकिल रैली, झारखंड पुलिस के 10 जवान होंगे शामिल

रांची : राष्ट्रीय एकता दिवस व सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर गुजरात में विशेष कार्यक्रम का आयोजन होने वाला है। 31 अक्टूबर को होने वाली एकता नगर परेड में झारखंड पुलिस के जवान भी हिस्सा लेंगे। पांच सदस्यीय (10 पुलिस जवान) टीम राष्ट्रीय एकता दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय मोटरसाइकिल रैली में शामिल होंगे। महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय, झारखंड की ओर से जारी पत्र में इस संबंध में पुलिस उप-महानिरीक्षक, झारखंड सशस्त्र पुलिस को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। पत्र में गृह मंत्रालय के आसूचना ब्यूरो की ओर से 16 जुलाई 2026 को जारी पत्र का भी हवाला दिया गया है।

हिंदपीढ़ी में टाइगर-24 जवानों से मारपीट, आरोपियों की तलाश तेज

गुलाम शाहिद

रांचीः हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र में टाइगर-24 के पुलिस जवानों के साथ धक्का-मुक्की, छीना-झपटी और मारपीट के मामले में पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। घटना में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं।

एसपी निखिल राय के अनुसार, टाइगर-24 के जवानों को हिंदपीढ़ी इलाके में ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री की सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन और कार्रवाई के लिए पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने पुलिसकर्मियों को घेर लिया और उनके साथ धक्का-मुक्की

व छीना-झपटी शुरू कर दी।

घटना के दौरान एक पुलिस जवान को चोट भी लगी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए घटना में शामिल लोगों को चिह्नित करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस टीम घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान में जुटी है। पुलिस का कहना है कि किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा और पहचान होने के बाद सभी के खिलाफ

रांची विवि का 39वां दीक्षांत समारोह 9 सितंबर को, 7 सितंबर तक गेट पास ले सकेंगे छात्र

संवाददाता

रांचीः रांची विश्वविद्यालय में आगामी 9 सितंबर को 39वां दीक्षांत समारोह का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय ने समारोह की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने अंगवस्त्र एवं गेट पास को लेकर आवश्यक सूचना जारी की है।

समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को 5 से 7 सितंबर तक सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच कॉमर्स विभाग (काउंटर 1 से 5) और केंद्रीय पुस्तकालय (काउंटर 6 से 10) से अंगवस्त्र और गेट पास लेना होगा। इसके लिए विद्यार्थियों को अपना आवेदन पत्र और प्रवेश पत्र साथ लाना होगा। डीएससी, डीलिट और पीएचडी के विद्यार्थियों को अपनी कॉपी भी दिखानी होगी।

समारोह के लिए है ड्रेस कोडः

विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों के लिए ड्रेस कोड भी तय किया है। छात्र सफेद कुर्ता-पायजामा या सफेद धोती पहनेंगे। जबकि छात्राएं सफेद सलवार-सूट के साथ लाल दुपट्टा पहनेंगी। वे लाल प्लेन पल्लू वाली सफेद साड़ी और लाल ब्लाउज भी पहन सकती हैं।

सुबह 8:30 बजे तक पहुंचना जरूरीः सभी विद्यार्थियों को सुबह 8:30 बजे तक अपनी निर्धारित सीट पर बैठकर उपस्थिति दर्ज कराना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों से कहा है कि वे तय तारीख और समय पर अपना अंगवस्त्र और गेट पास जरूर ले लें और समारोह वाले दिन समय पर पहुंचें।

जस्टिस हरीशचन्द्र मिश्र के निधन पर अधिवक्ता अजहर अहमद खान ने जताया शोक कहा-

न्याय एवं कानून जगत का एक मजबूत स्तंभ खो गया

गुलाम शाहिद

रांचीः झारखंड उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस हरीशचन्द्र मिश्र के असामयिक निधन पर झारखंड सिविल कोर्ट और उच्च न्यायालय के अधिवक्ता अजहर अहमद खान ने गहरा शोक प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि जस्टिस हरीशचन्द्र मिश्र के निधन से न्याय एवं कानून जगत को अपूरणीय क्षति हुई है।

अधिवक्ता अजहर अहमद खान ने कहा कि जस्टिस मिश्र न्यायिक क्षेत्र में अपनी निष्पक्षता, कर्तव्यनिष्ठा और न्यायप्रियता के लिए सदैव याद किए जाएंगे। उनके निधन से

न्याय व्यवस्था ने एक अनुभवी और सम्मानित व्यक्तित्व को खो दिया है। उन्होंने कहा कि उनके निधन से न्याय एवं कानून जगत का एक स्तम्भ हिल गया है। इसकी क्षतिपूर्ति निकट भविष्य में संभव नहीं है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जस्टिस हरीशचन्द्र मिश्र की न्यायिक सेवाएं और उनके विचार आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे।

38 पैसे बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम, नई कीमतें आज से लागू

संवाददाता

रांची : झारखंड में पेट्रोल व डीजल की कीमतों में 38 पैसे की बढ़ोतरी की गई है। राजधानी रांची में अब पेट्रोल की कीमत 105.64 रुपये और डीजल की कीमत 100.87 रुपये प्रति लीटर हो गई है। बढ़ी हुई कीमतें आज तीन सितंबर की सुबह से लागू हो गई है। इस बढ़ोतरी की जानकारी झारखंड पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के प्रवक्ता प्रमोद कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि तेल कंपनियों ने तेल की कीमत में वृद्धि की जानकारी दी थी।

जानकारी के मुताबिक,

झारखंड में अब कई तरह के पेट्रोल की बिक्री हो रही है। एक्स्ट्रा प्रीमियम की कीमत 114.55 रुपये प्रति लीटर हो गई है। जबकि एक्स्ट्रा ग्रीन की कीमत बढ़कर 106.37 रुपया हो गई है। इससे पहले दोनों तरह के तेल की कीमत क्रमशः 114।17 रुपये और 105.99 रुपये थी।

डिमेंशिया के बढ़ते मामलों के बीच टाटा ट्रस्ट्स ने समय पर पहचान पर बढ़ाया जोर

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः विश्व अल्जाइमर माह के अवसर पर टाटा ट्रस्ट्स ने वजूद रहे मौजूद अभियान के माध्यम से डिमेंशिया की समय पर पहचान और निदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया है। भारत में करीब 88 लाख बुजुर्ग डिमेंशिया के साथ जीवन बिता रहे हैं, जबकि करीब 90 प्रतिशत मामलों का निदान नहीं हो पाता है। वर्ष 2036 तक यह संख्या बढ़कर 1.69 करोड़ होने का अनुमान है। टाटा ट्रस्ट्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सिद्धार्थ शर्मा ने कहा कि शुरूआती पहचान और प्रभावित लोगों व देखभाल कर्ताओं के लिए मजबूत व्यवस्था जरूरी है। अभियान में लोगों से याददाश्त और व्यवहार में होने वाले बदलावों को उम्र का सामान्य असर मानकर नजरअंदाज नहीं करने की अपील की गई है।

मतदाता पंजीकरण व मतदाता सूची पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

58 शोध-पत्रों पर होगा मंथन

संवाददाता

रांचीः झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड के सहयोग से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। यह सम्मेलन बुधवार, 2 सितंबर 2026 को नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ (एनयूएसआरएल), रांची में शुरू हुआ। इसका उद्देश्य मतदाता पंजीकरण और सूची प्रबंधन पर व्यापक राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में विचार-विमर्श करना है। भारत निर्वाचन आयोग के प्रधान सचिव अरविंद आनंद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के। रवि कुमार ने कहा कि निर्वाचन प्रबंधन के व्यावहारिक अनुभव और अकादमिक शोध मतदाता सूची को अधिक समावेशी बनाएंगे। सम्मेलन के लिए 800 से अधिक विश्वविद्यालयों से संपर्क किया गया, जिसके फलस्वरूप

230 सार प्राप्त हुए। इनमें से 58 शोध-पत्रों का प्रकाशन और विचार-विमर्श के लिए चयन हुआ। उन्होंने विभिन्न देशों में प्रचलित सक्रिय, स्वचालित और हाइब्रिड मतदाता पंजीकरण प्रणालियों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत में मजबूत सांविधानिक ढांचा, क्षेत्रीय सत्यापन और राजनीतिक दलों की सक्रिय भागीदारी है। इसका लक्ष्य शुद्ध, समावेशी और पारदर्शी मतदाता सूची सुनिश्चित करना है। भारत तकनीक और आंकड़ा-आधारित सत्यापन का उपयोग कर रहा है। यह सम्मेलन विद्वानों और विशेषज्ञों को अंतरराष्ट्रीय अनुभवों से सीखने का मंच प्रदान करता है। विशेषज्ञों ने मतदाता सूची को लेकर रखे विचारः एनयूएसआरएल के कुलपति अशोक आर। पाटिल ने मतदाता सूची को लोकतांत्रिक सहभागिता का प्रवेश द्वार बताया। उन्होंने विश्वसनीय चुनाव के लिए शुद्ध, समावेशी और नियमित रूप से अद्यतन मतदाता सूची की आवश्यकता पर बल दिया। पाटिल ने फर्जी या अपात्र पंजीकरण को रोकने पर भी जोर दिया। सेंट जेवियर्स कॉलेज के प्राचार्य रॉबर्ट प्रदीप कुजूर ने शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका रेखांकित की। उन्होंने युवा मतदाताओं, प्रवासियों और वंचित समुदायों की निर्वाचन प्रक्रिया में भागीदारी सुनिश्चित करने को महत्वपूर्ण बताया।

तकनीकी सत्रों में चुनाव प्रबंधन से जुड़े मुद्दों पर चर्चाः सम्मेलन के पहले दिन एक पैनल चर्चा और छह तकनीकी सत्र आयोजित हुए। इन सत्रों में नागरिकता, वैश्विक अनुभव, तकनीक, जागरूकता, लैंगिक और प्रवासी मुद्दों पर शोध-पत्र प्रस्तुत किए गए। केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड के कुलपति सारंग मेधेकर ने अकादमिक शोध और निर्वाचन प्रबंधन के अनुभवों के प्रभावी समन्वय की सराहना की। अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार ने शुद्ध, समावेशी और पारदर्शी मतदाता सूची को मजबूत लोकतंत्र की बुनियाद बताया। उन्होंने झारखंड में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण का भी उल्लेख किया।

कार्यालय, नगर पंचायत, बुण्डू (राँची)
पता-ब्लॉक रोड, बुण्डू, पिन – 835204 Email Id- nagarpanchayatbundu@gmail.com

अति अल्पकालीन दर आमंत्रण सूचना संख्या –18/26-27

कार्यालय का नाम – नगर पंचायत ,बुंडू
विज्ञापनदाता का पदनाम – कार्यपालक पदाधिकारी ,नगर पंचायत ,बुंडू, (रांची)
कोटेशन प्राप्ति की तिथि – दिनांक 09-09-2026 को 2:00 बजे अपराह्न
कोटेशन खोलने की तिथि – दिनांक 09-09-2026 को 3:00 बजे अपराह्न

सामाग्री की विवरणी

SN	Particulars	दर (प्रति Sq Feet)
01	Flex Installation	
2	Flex With Frame Square Pipe With Installation	

नियम एवं शर्तें कार्यालय के सूचना पट्ट / विभागीय Website www.udhd.jharkhand.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक पदाधिकारी
नगर पंचायत, बुण्डू

PR.NO.388844 Urban Development(26-27):D

Government of Jharkhand
Drinking Water & Sanitation Division, Ramgarh
Email Id:- eedwsd.ramgarh@gmail.com
Very Urgent Tender Notice

(3rd Call)
(Head – DMFT)
Tender Reference No.–DWSD/RGH-01/2026-27 Date- 02.09.2026

G. No.	Name of Work	Estimated Cost (Rs.)	Earnest Money (Rs.)	Cost of BOQ (Rs.)	Time of Completion
1.	Construction of 200 x 165 mm dia x 300 mtr depth High Yield Drilled Tube well installation of Solar Motor pump with galvanized tubular steel structure (4.5 mtr) with capacity of 2000 ltr and soak pit with drain at upgraded middle school parsabera Block – Mandu under D.W.& S Division Ramgarh for the year 2025-26	773648.00	15500.00	1250.00	1 Month
4	Construction of 200 x 165 mm dia x 300 mtr depth High Yield Drilled Tube well installation of Solar Motor pump with galvanized tubular steel structure (4.5 mtr) with capacity of 2000 ltr and soak pit with drain at New Primary School Gayatri Nagar Vilaige+Panchayat – Ichakdih Block – Mandu under D.W.& S Division Ramgarh for the year 2025-26	773648.00	15500.00	1250.00	1 Month
6	Construction of 200 x 165 mm dia x 300 mtr depth High Yield Drilled Tube well installation of Solar Motor pump with galvanized tubular steel structure (4.5 mtr) with capacity of 2000 ltr and soak pit with drain at Upgraded Primary School Kenduwadih Vilaige Ghaghra, Panchayat – Korambe Block– Gola under D.W.& S Division Ramgarh for the year 2025-26	773648.00	15500.00	1250.00	1 Month
a	Date of Publication Tender	03.09.2026 up to 11:00 A.M.			
b	Date & Time for Sale of Tender Doc.	04.09.2026/11:00 A.M. to 10.09.2026 up to 02:00 PM			
c	Last date /Time for receipt Earnest Money & Cost of BOQ & Tender Doc. (Hard Copy)	11.09.2026/ up to 02:00 PM			
d	Place for receiving tender fee & EMD (Hard Copy)	Office of the Executive Engineer, D.W. & S. Division, Ramgarh.			
e	Date of Opening of Tender	12.09.2026/ 11:00 AM			
f	Place of Opening Tender	Office of the Executive Engineer, D.W. & S. Division, Ramgarh.			
g	Name & Address of Tender inviting Authority	Executive Engineer, D.W. & S. Division, Ramgarh			
h	Contact No. of Procurement Office	06553-223193			

विस्तृत जानकारी प्रमंडलीय कार्यालय के सूचना पट्ट / प्रमंडलीय कार्यालय अथवा वेबसाईट dwsd.jharkhand.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है।

–: जल ही जीवन है :–

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, रामगढ़।

PR 388921 Drinking Water and Sanitation(26-27)D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

नेपाल की भीषण जल प्रलय त्रासदी से चिंतित हैं हिमालयी राज्यों के निवासी

नेपाल की भीषण त्रासदी ने एक बार फिर केदारनाथ, रैणी-तपोवन, धराली व थराली की आपदाओं तथा जोशीमठ भू धसाव की याद ताजा कर दी है, लगातार हो रही जल प्रलय की आपदाओं ने हिमालयी राज्यों के लोग भविष्य को लेकर चिंतित दिख रहे हैं।

देवभूमि उत्तराखंड, हिमांचल व अन्य हिमालयी राज्यों मे प्राकृतिक आपदाओं की घटनाओं मे एकाएक बृद्धि देखी जा रही है, पहले इस प्रकार की घटनाएं वर्षो मे कभी कभार देखने सुनने को मिलती थी लेकिन अब हर दो चार वर्ष के अंतराल मे घटित हो रही भीषण आपदाओं ने देवभूमि का भौगोलिक परिदृश्य ही बदल कर रख दिया। हिमालयी राज्यों के पर्वतवासी बादल फटने की बढ़ती घटनाओं से बेहद डरे व सहमे हुए हैं। पर सवाल यह है कि प्राकृतिक आपदाओं की घटनाओं मे बृद्धि के आखिर कारण क्या हो सकते हैं ?, क्या देवभूमि के स्वरूप को पर्यटन व राजस्व उगाही के दृष्टिकोण से देखना भी प्राकृतिक आपदाओं की घटना का कारण हो सकता है या कोई अन्य कारण। वैज्ञानिक हिमालय की संवेदनशीलता को लेकर बार बार चेतावनी देते रहे हैं,लेकिन अनियंत्रित व अवैज्ञानिक विकास की होड़ हिमालय को खोखला करने पर उतारू है। हालांकि हिमालयी राज्यों मे घटने वाली प्राकृतिक आपदाओं को रोका तो नहीं जा सकता लेकिन जनहानि को कम अवश्य किया जा सकता है।

वर्ष 2013 की केदारनाथ आपदा के बाद तो सबक लेना ही था कि आखिर किसी भी आपदा मे जनहानि को रोकने या कम करने के क्या क्या उपाय हो सकते हैं, केदारनाथ त्रासदी के बाद कई स्तरों पर हुए सर्वेक्षणों के उपरांत वैज्ञानिकों ने जनहानि कम करने के जो सुझाव दिए थे उनमे अर्ली वार्निंग सिस्टम भी एक था, लेकिन 2021मे रैणी -तपोवन की विनाशकारी आपदा के बाद अर्ली वार्निंग सिस्टम का ना होना भी भारी जनहानि का एक कारण माना गया।

प्रकृति के अवैज्ञानिक दोहन व अनियंत्रित छेड़ छाड़ ही हिमालय वासियों के जीवन को संकट मे डाल रहा है। देवभूमि वास्तव मे देवभूमि है, सेना ने एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्वयं के साथ घटित एक घटना से इसका उल्लेख किया था, दरसअल वर्ष 1963-64 मे जब वे सेना मे कमीशन हुए तो उनकी पहली पोस्टिंग जोशीमठ ही हुई, तब घर से निकलते वक्त उनके माता पिता ने ने कहा कि तुम्हारी पोस्टिंग साक्षात देवभूमि मे हुई है वहाँ तो कण कण मे भगवान हैं, दो वर्ष की कार्यावधि के बाद जब वे लौट रहे थे तब उनके मन मे अचानक यह भाव आया कि उनके माता पिता ने तो कहा था वहाँ कण कण मे भगवान हैं दो वर्ष मे उन्हें तो नहीं दिखा।

तब जोशीमठ से कुछ ही दूरी पर गौँखगधेरा अब श्री ज्ञान गंगा के समीप सड़क के निचली ओर से एक दिव्य महात्मा व साध्वी सड़क पर आते दिखे, उनके दिव्य स्वरूप को देखकर सेना अधिकारी की उनके दर्शन करने की लालसा हुई ओर ड्राइवर को वाहन रोकने को कहा, वाहन से उतरकर वे पीछे मुड़े तो देखा कि वे दोनों दिव्य मूर्तियां कहीं ओझल हो गई, उन्होंने वाहन को वापस मोड़ा और सेना के टीसीपी तक सड़क के दोनों ओर उन दिव्य विभूतियों को देखते हुए पहुंचे लेकिन कहीं नजर नहीं आए, तब उन्हें अपने माता पिता की बातों का एहसास हुआ कि वास्तव मे देवभूमि के कण कण मे भगवान हैं।

इस प्रत्यक्ष घटनाक्रम का जिक्र उन्होंने तब किया था जब नब्बे के दशक मे वे सेना के वरिष्ठ अधिकारी बनकर पुनः जोशीमठ आए और तब उन्होंने विद्वानों की राय पर उस स्थान पर एक छोटा सा मंदिर भी बनवाया था जो आज भी है।

लेकिन आज ठीक इसके उलट संपूर्ण देवभूमि तो छोड़िये भू वैकुंठ धाम श्री बद्रीनाथ जहाँ माना जाता है कि भगवान श्रीहरि नारायण तपस्यारत हैं और उनकी तपस्या मे व्यवधान न हो वहाँ शंख बजाने पर भी प्रतिबन्ध है,वहाँ न केवल ग्रीष्म काल बल्कि शीतकाल मे बर्फबारी होने तक भी बड़ी बड़ी मशीनें धरती के साथ अलकनंदा नदी को भी चीर रही है। अलकनंदा नदी का तो ऐसा विकास हो रहा है कि श्री बद्रीनाथ मंदिर के समीप गाँधी घाट ही खतरे की जद मे आ गया है, और तप्त कुण्ड पर भी खतरा मंडराने की संभावना बनी हालांकि समय की जरुरतों के अनुसार धामों का विकास भी जरुरी हो सकता है, लेकिन हिमालयी धामों व देश के अन्य धर्मस्थलों के विकास के पैमाने का फर्क समझना होगा, साथ इन हिमालयी धामों व कसबों की भार वहन क्षमता का आंकलन किया जाना भी बेहद जरुरी है तभी जोशीमठ जैसी भू धसाव की घटना केदारनाथ, रैणी-तपोवन, धराली व थराली जैसी प्राकृतिक आपदाओं की घटनाओं मे जन धन की हानि को कम किया जा सकता है।

एसआईआर के सवाल

निस्संदेह, किसी लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी व निष्पक्ष होनी चाहिए। साथ ही मतदाताओं की विश्वसनीयता भी उतनी जरूरी है ताकि वाजिब वोट ही चुनाव प्रक्रिया में निर्णायक भूमिका निभाए। इसी आलोक में नौ राज्यों व तीन केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवाल तार्किक समाधान मांगते हैं। इस प्रक्रिया में तुरत-फुरत की कार्यनीति के चलते कई राज्यों में अफरा-तफरी का आलम नजर आता है। जिसका दबाव जमीनी स्तर पर इस प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों पर पड़ रहा है। कई बूथ स्तरीय अधिकारी यानी बीएलओ बेहद तनाव में नजर आ रहे हैं। इनका कार्य मतदाता सूचियों को अपडेट करना है। पश्चिम बंगाल और कई अन्य राज्यों में कम समय में अधिक काम के दबाव के चलते कुछ बीएलओ के मरने व आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं। आरोप है कि उनके वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा ही नहीं बल्कि सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों द्वारा भी उन्हें परेशान किए जाने का आरोप है। हालांकि, इस अव्यवस्था के चलते ही चुनाव आयोग ने अब एसआईआर के कार्यक्रम को एक सप्ताह के लिए और बढ़ा दिया है। लेकिन कहना कठिन है कि इस कदम से बीएलओ का तनाव कम करने या विभिन्न हितधारकों की आशंकाओं को दूर करने में कोई खास मदद मिल सकेगी। कहा जा रहा है कि एक माह पहले शुरू हुई राष्ट्रव्यापी एसआईआर प्रक्रिया में कई तरह की बाधाएं आ रही हैं। इस प्रक्रिया में करीब 51 करोड़ मतदाता शामिल हैं, जो तकरीबन भारतीय आबादी का एक-तिहाई से भी ज्यादा। उनकी शिनाख्त से जुड़ी जानकारी को एक निश्चित समय सीमा में प्रमाणित कर पाना आसान नहीं है। कहा जा रहा है कि निर्धारित समय-सीमा व्यावहारिक नहीं है। तीन महीने की अवधि में गणना प्रपत्रों का वितरण, उसके बाद मसौदा मतदाता सूची का प्रकाशन और फिर अंतिम मतदाता सूची जारी करना आसान काम नहीं है। बहुत तेजी से काम को अंजाम देने का जिम्मा अधिकारियों पर अतिरिक्त दबाव बना रहा है।

निस्संदेह, स्वतंत्र-निष्पक्ष चुनावों हेतु मतदाता सूचियों का शुद्धीकरण एक अनिवार्य शर्त है। लेकिन महत्वपूर्ण काम को जल्दबाजी में नहीं किया जाना चाहिए। मतदाता को यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त समय मिले ताकि उनके नाम सूचियों में सही ढंग से दर्ज हो सकें। यही बात बीएलओ के लिए भी लागू होती है, ताकि वे अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहराव वाले मतदाताओं का डेटा संकलित करने के लिए बूथ-स्तरीय एजेंटों के साथ मिलकर सुचारु रूप से काम कर सकें। यदि एसआईआर की प्रक्रिया किसी विवाद में उलझी रहती है तो इस अभियान का उद्देश्य ही विफल हो सकता है।

हिमालय से मिल रही चेतावनी, फिर भी नहीं संभल रहे हम

प्रकृति बार-बार चेतावनी देती है, किन्तु हम समझने वाले नहीं हैं, क्योंकि हम इस गलतफहमी में हैं कि हम कुछ भी करके सुरक्षित निकल लेंगे। न तो हम पश्चिम के बफीर्ले तूफानों से समझ रहे हैं न ही रेगिस्तानी बर्फबारी से समझ रहे हैं। ध्रुवीय प्रदेशों से लेकर हिमालय तक ग्लेशियरों के पिघलने से हो रही तबाही से, मासूम जिंदगियों का काल-कलवित हो जाना हमारे हृदय में न तो दया का भाव पैदा कर पा रहा है

कुलभूषण उपमन्यु

औद्योगिक क्रांति के बाद जिस तकनीकी दंभ का प्रादुर्भाव हुआ है, उसके आलोक में वैज्ञानिकता के नाम पर प्रकृति से आधुनिक मानव युद्धरत है। ऊर्जा की अत्यधिक भूख ने ऊर्जा उत्पादन के ऐसे तरीकों पर निर्भरता बढ़ा दी है, जो वैश्विक तापमान में वृद्धि करके जलवायु परिवर्तन का कारण बन रहे हैं। पिछली डेढ़ सदी में वैश्विक स्तर पर तापमान डेढ़ डिग्री तक बढ़ चुका है। अब भी हम लगभग उसी रास्ते पर दौड़ रहे हैं। हिमालय का क्रोध केवल भारत वर्ष के कारण नहीं है, यह तो सारी, दुनिया, विशेष कर विकसित देशों का किया धरा है, किन्तु बाकी सभी देश भी तो उन्हीं विकसित देशों की विकास पद्धति का ही अनुकरण कर रहे हैं और जलवायु परिवर्तन में योगदान करके प्रकृति के संतुलन को नष्ट करने में लगे हुए हैं।

प्रकृति बार-बार चेतावनी देती है, किन्तु हम समझने वाले नहीं हैं, क्योंकि हम इस गलतफहमी में हैं कि हम कुछ भी करके सुरक्षित निकल लेंगे। न तो हम पश्चिम के बफीर्ले तूफानों से समझ रहे हैं न ही रेगिस्तानी बर्फबारी से समझ रहे हैं। ध्रुवीय प्रदेशों से लेकर हिमालय तक ग्लेशियरों के पिघलने से हो रही तबाही से, मासूम जिंदगियों का काल-कलवित हो जाना हमारे हृदय में न तो दया का भाव पैदा कर पा रहा है न ही अपने लालच के चलते प्रकृति को पहुंचाए जा रहे नुकसान के बारे में पुनर्विचार करने की ओर मुड़ रहा है। गेंद को एक-दूसरे के पाले में धकेला जा रहा है।

जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने वाले संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रयासों से अमेरिका जैसे भारी प्रदूषणकारी देश बाहर निकल चुके हैं। चीन और भारत हिमालय में बड़े से बड़े बांधों के निर्माण में डटे हुए हैं, जिससे होने वाली तोड़फोड़ और मीथेन उत्सर्जन से हिमालय में वैश्विक तापमान में वृद्धि की औसत से ज्यादा वृद्धि हुई है। नतीजा हम ही भुगत रहे हैं। कभी पारछू की बाढ़ में, सतलुज में तो कभी थुनाग-जंजैहली में। कभी धराली में तो कभी केदारनाथ में। हम जानते तो सब कुछ हैं पर समझेंगे नहीं, क्योंकि हम वैज्ञानिक युग के अहंकारपूर्ण शक्तिशाली देश हैं। प्रकृति की ताकत के आगे बार-बार शर्मिंदा होने के बाद भी हम प्राकृतिक आपदा कह कर मामले को टाल देते हैं, जबकि हमें इन्हें मानव निर्मित प्राकृतिक आपदा कहना चाहिए, ताकि हमें अपने गैरजिम्मेदार कारनामों की याद आती रहे, जिससे शायद जागने में मदद मिले।

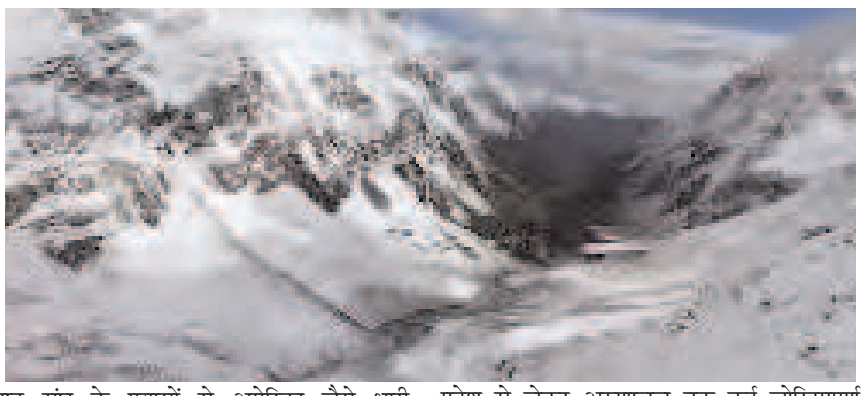

वर्तमान नेपाल त्रासदी ने जिस तरह हजारों बेशकीमती जान काल कलवित की हैं, वह वैश्विक चेतना को झकझोरने वाली घटना है। भारत की स्थिति भी इस विषय में अच्छी नहीं है. हिमाचल प्रदेश से लेकर अरुणाचल तक कई जोखिमपूर्ण ग्लेशियर झीलें विद्यमान हैं। हिमाचल में लाहुल घाटी की घेपांग घाट ग्लेशियल झील सहित 48 ऐसी झीलें हैं। उत्तराखंड में 13, लद्दाख में 35, सिक्किम में 40, अरुणाचल में 28 उच्च जोखिम वाली ग्लेशियल झीलें मौजूद हैं। सिक्किम भी 2023 में दक्षिणी ल्होनाक ग्लेशियल झील के फटने से भारी त्रासदी झेल चुका है।

वर्तमान विकास गतिविधियां हिमालय में जान-माल के लिए खतरा बढ़ा रही हैं। जब जिन्दा ही नहीं रहेंगे, तो उस विकास का क्या करेंगे। एक ओर बड़े-बड़े देश युद्धों में उलझे हुए हैं। युद्ध भी जितना वायु प्रदूषण फैला रहे हैं, वह भी जलवायु परिवर्तन का बड़ा कारण बन रहे हैं। आतंकवाद और युद्ध दोनों से ही बचने की जरूरत है। बातचीत से समस्याएं हल हो सकती हैं। युद्ध के बाद भी तो बातचीत ही करनी पड़ती है। सांप्रदायिक घृणा जनित आतंकवाद से भी तौबा की जानी चाहिए। कोई संप्रदाय मृत्यु उपरांत नर्क में जाता है या स्वर्ग में इस बात की चिंता किसी को करने की क्या जरूरत है, जो जाएगा वह खुद देख लेगा। फिजूल की आत्मप्रशंसा जनित झगड़ों से ऊपर उठना जरूरी हो गया है, क्योंकि वर्तमान युद्ध और जलवायु परिवर्तन के खतरे भीषण विध्वंस कारक होते जा रहे हैं।

भारतवर्ष में पर्यावरणीय आन्दोलन 1980 के दशक से ही वैकल्पिक विकास नीति विशेषकर हिमालय क्षेत्रों के लिए बनाने की बात कर रहे हैं। चिपको आन्दोलन से लेकर हिमालय नीति अभियान, हिमालय क्षेत्र में पर्वत विशिष्ट परिशितिकीय दृष्टि से निरापद विकास नीति के लिए आवाज उठा रहे हैं। 1992 में योजना आयोग ने डॉ. एसजेड कासिम की अध्यक्षता में विशेषज्ञ समूह का गठन किया था, जिसने हिमालय में विकास के लिए कुछ दिशा-निर्देश तय किए थे, जिनमें हिमालय में करणीय और नहीं करने योग्य गतिविधियों के सुझाव दिए गए थे।

इसके लिए व्यवस्थागत सुझाव भी दिए गए थे, किन्तु बात आगे नहीं बढ़ पाई। उसके बाद कितने ही नए अनुभव संचित हो चुके हैं, जिन पर आधारित सावधानियां और दिशाएं तय की जा सकती हैं। हमें आशा करनी चाहिए कि जब जागे तभी सवेरा वाली कहावत पर विश्वास करते हुए पर्यावरण मित्र विकास की दिशा में आगे बढ़ने का प्रयास शुरू करेंगे। संयुक्त राष्ट्र संघ से मिल कर चीन और अमेरिका जैसे अत्यधिक हरित प्रभाव गैसों का उत्सर्जन करने वाले देशों को भी पर्यावरण मित्र विकास की दिशा में गंभीर सहयोग करने के लिए प्रेरित किया जाना वांछित है। राष्ट्रपति ट्रंप के आने के बाद अमेरिका का जलवायु परिवर्तन रोकने वाली वैश्विक संधियों से बाहर हो जाना चिंता योग्य है। स्वयं सही विकास नीति बना कर वैश्विक स्तर पर दबाव समूह को सशक्त करने की दिशा में भारत महती योगदान कर सकता है।

नेपाल त्रासदी के सबक

जलवायु परिवर्तन के कारण पिछले सालों में जिस तरह से प्रकृति का विकराल रुप देखने को मिल रहा है वह चाहे तूफानों के रुप में हो, चाहे जंगलों में लगती आग के कारण हो, ग्लेशियरों के पिघलने की हो, ग्लेशियलों के फटने की हो, भूकंपों की हो, बैमौसम आंधी बरसात की हो, अतिवृष्टि या अनावृष्टि की हो, मौसम चक्र में भले ही आंशिक परिवर्तन की हो या समुर्द्री तूफानों की बढ़ती फ्रिक्वेंसी की हो बेहद गंभीर हो जाती है।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

दुनिया के देशों के लिए नेपाल त्रासदी को कमतर करके देखना, बड़ी भूल होगी। साल 2020 की कनाडा की रॉक स्लाइड और 2023 की सिक्किम में साउथ ल्होनक झील की ग्लेशियल फटने की घटना हमारे सामने हैं। यह पहली या अंतिम घटना नहीं है अपितु देखा जाए तो समय रहते प्रयास नहीं किये गये तो ऐसी घटनाओं की आवृति जल्दी-जल्दी और अति विनाशकारी होगी। जलवायु परिवर्तन के कारण पिछले सालों में जिस तरह से प्रकृति का विकराल रुप देखने को मिल रहा है वह चाहे तूफानों के रुप में हो, चाहे जंगलों में लगती आग के कारण हो, ग्लेशियरों के पिघलने की हो, ग्लेशियलों के फटने की हो, भूकंपों की हो, बैमौसम आंधी बरसात की हो, अतिवृष्टि या अनावृष्टि की हो, मौसम चक्र में भले ही आंशिक परिवर्तन की हो या समुर्द्री तूफानों की बढ़ती फ्रिक्वेंसी की हो बेहद गंभीर हो जाती है। वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों की लगातार चेतावनी को नजरअंदाज करने का ही परिणाम है कि नेपाल जैसी त्रासदियां आम हो रही है। यह केवल नेपाल या इससे जुड़े क्षेत्र के लिए ही गंभीर हालात नहीं अपितु अमेरिका, चीन, भारत सहित दुनिया के दस देश नेपाल जैसी त्रासदी के मुहाने पर खड़े हैं। ग्लेशियल फटने या यों कहें किग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड यानी कि ग्लोफ जैसे हालात कभी भी इनके दायरे में आने वाले देशों में हो सकते हैं।

चिंता की बात है कि अभी तक भारत-नेपाल ही नहीं दुनिया के इस दायरे में आने वाला कोई देश इन आपदाओं से निपटने में पूरी तरह सक्षम नहीं हो सका है। जानकारों की मानें तो भारत, चीन, पाकिस्तान, पेरु के एक करोड़ 50 लाख लोग इनके दायरे में सीधे-सीधे आ रहे हैं। यह वह लोग हैं जो इन ग्लेशियलों के एक किलोमीटर से 10 किलोमीटर के दायरे में रह रहे हैं। आज ग्लोफ खतरे के दायरे में भारत, पाकिस्तान, कनाडा, पेरु, अमेरिका, चिली, इटली, नेपाल और कोलंबिया आए हुए हैं। आज संवाद या विचार का विषय यह नहीं रह गया है कि नेपाल त्रासदी में कितने लोगों ने जान गंवाई या जन-धन की कितनी हानि हुई है अपितु यह है कि इस तरह की त्रासदी से निपटने के लिए हम कहां तक तैयार हैं। सवाल यह भी है कि ऐसे हालात क्यों होते जा रहे हैं। उत्तराखंड त्रासदी हमारे सामने है और उस त्रासदी के परिणाम सामने होने के बावजूद लगभग साल-दर-साल भूस्खलन के मामले सामने आ रहे हैं। साफ है कि प्रकृति से एक सीमा से अधिक खिलवाड़ किया जाता है तो विकृति का सामना करना ही पड़ेगा। प्रकृति अपने विकराल रुप में पलटवार करती है। ऐसे में समय के साथ सबक लेना जरुरी है। आज सारी दुनिया में पर्यावरण संरक्षण की बात तो की जाती है पर उस पर अमल नहीं पा रहा है। विशेषज्ञों की मानें तो हालात यही रहे तो सदी के अंत तक समुद्र का जलस्तर दो मीटर तक बढ़ सकता है। दूसरी ओर अभी से समुद्र तटीय कई शहर डूबने की जद में आने की चेतावनियां दी जा रही है। नेपाल की हालिया त्रासदी का कारण ग्लेशियल का फटना माना जा रहा है। दरअसल, ग्लेशियर और ग्लेशियल में हमें भेद करके चलना होगा। ग्लेशियर भौगोलिक संरचना होती है। यह पहाड़ों और ध्रुवों पर लंबे समय से जमा बर्फ खण्ड होते हैं। यह अपने गुरुत्वाकर्षण के कारण जमे रहते हैं पर जलवायु परिवर्तन और तापमान के बढ़ने के कारण आज बड़ी मात्रा में ग्लेशियर के पिघलने की गति तेज होती जा रही है। ग्लेशियरों के बड़े खण्डों के पिघल कर गिरने से ग्लेशियल झील बनती है। ग्लेशियल झील को हिमनदी झील भी कह सकते हैं। नेपाल की हालिया त्रासदी ग्लेशियल झील के फटने के कारण ही हुई है। वैज्ञानिकों की माने तो ग्लेशियलों के निर्माण की गति में काफी तेजी आई है। यदि हम हिमालय क्षेत्र की ही बात करें तो सतलुज बेसिन में 2019 में 560 ग्लेशियल झीलें थी जो चार साल यानी 2023 तक 1048 हो गई है।

नेपाल त्रासदी ग्लेशियल लेक आदटबर्स्ट फ्लड यानी की ग्लोफ का परिणाम है। साधारण शब्दों में कहा जाए तो यह ग्लेशियल झील के फटने का परिणाम है। ऐसा नहीं है कि वैज्ञानिक इन हालातों पर नजर नहीं रख रहे हैं बल्कि लीड्स विश्वविद्यालय के ग्लेशियल फ्लडिंग के विशेषज्ञ डॉ. जानाथन कारीविक पहले ही इसे लेकर चेता चुके हैं। हमारे देश के ही राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एनडीएमए के विशेषज्ञों ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल एनजीटी को रिपोर्ट प्रस्तुत कर हालात से रुबरु कराने के साथ ठोस सुझाव भी दिए हैं। दरअसल एक सीमा से अधिक प्रकृति से छेड़छाड़ का ही परिणाम इस तरह की त्रासदियां होती हैं। आज लाख चेताने के बावजूद सतलुज बेसिन में बांधों के साथ साथ विद्युत परियोजनाओं सहित विकास परियोजनाओं का दखल बढ़ा है। एक सीमा से अधिक मानवीय दखल बढ़ी है। इससे तापमान में स्वाभाविक रुप से बढ़ोतरी होने के साथ अपशिष्ट भी फैल रहा है। प्रकृति से प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रुप से छेडछाड़ बढ़ रही है। एनडीएमए ने साफ-साफ कहा है कि सतलुज बेसिन में नए निर्माण कार्यां या नई परियोजनाओं की स्वीकृति से पहले उनके परिणामों का भली प्रकार से अध्ययन और विश्लेषण किया जाए। परिणामों का आकलन कर गुणावगुण के आधार पर और पर्यावरणीय परिणामों को देखकर ही निर्णय लिए जाएं। यह भी देखा जाए कि ऐसे स्थानों में मानवीय दखल को सीमित दायरे तक ही रखा जाए। इसके साथ ही जलवायु व पर्यावरण विशेषज्ञों का दायित्व अधिक हो जाता है और आवश्यकता होने पर प्रकृति को बचाने के लिए इस क्षेत्र में कार्य कर रहे गैरसरकारी संगठनों को भी आगे आना होगा। आपदा प्रबंधन का भी ऐसा सिस्टम विकसित करना होगा जिससे ऐसी घटनाओं की समय रहते चेतावनी मिल सके और कम-से-कम जन हानि हो।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

जन्माष्टमी से पहले दुल्हन की तरह सजा मथुरा-वृंदावन

भगवान कृष्ण के जीवन और किंवदंतियों से जुड़े प्रमुख तीर्थस्थल मथुरा और वृंदावन को जन्माष्टमी समारोह से पहले विस्तृत सजावट एवं चमकदार रोशनी से सजाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि यहां चौराहों और प्रमुख सड़कों पर विशेष सजावट की गई है, विशेषकर कृष्ण जन्मभूमि और अन्य प्रमुख मंदिरों की ओर जाने वाली सड़कों पर, जो तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को आकर्षित कर रही हैं। अधिकारियों के अनुसार ब्रज तीर्थ विकास परिषद, उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग और जिला प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'श्रीकृष्ण जन्मोत्सव-2026' के तहत देश भर से 1,000 से अधिक कलाकार दो दर्जन से अधिक छोटे मंचों व लगभग आधा दर्जन प्रमुख मंचों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं। भक्तों का स्वागत बीन की मधुर धुनों वाले प्रदर्शनों से किया जा रहा है, जबकि ढोल और नगाड़ों की थाप एवं जीवंत लोक नृत्य उत्सव के माहौल में चार चांद लगा रहे हैं।

परिषद के पदेन मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन ने बताया कि कान्हा के जन्मोत्सव का उल्लास अब ब्रजभूमि में परवान चढ़ने लगा है। जन्माष्टमी के पावन अवसर पर मथुरा-वृंदावन की गलियां, चौराहे और प्रमुख सांस्कृतिक स्थल एक बार फिर श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। परिषद की ओर से व्यापक सांस्कृतिक आयोजन किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य मनोरंजन ही नहीं, बल्कि ब्रज की समृद्ध लोक परंपरा, संगीत व कला को श्रद्धालुओं के सामने जीवंत करना भी है।यही नहीं, डैम्पीयर नगर में बने विशाल प्रेक्षागृह (पांचजन्य) में आज से त्रिदिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव प्रारंभ हो गया है, जिसमें कन्हैया मित्तल जैसे अनेक प्रसिद्ध कलाकार अगले 3 दिन तक कृष्ण भक्ति और ब्रज संस्कृति की झलक से जुड़ी प्रस्तुतियां देंगे। नागप्पन के अनुसार इनके अलावा प्रमुख मार्गों और चौराहों पर 'स्ट्रीट परफॉर्मर' भी अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं। करीब 350 कलाकार बीन, ढोल, नगाड़े, ढपली, शहनाई, बेला-तबला आदि वाद्ययंत्रों के माध्यम से श्रद्धालुओं को रिझा रहे हैं। जन्माष्टमी के उत्सव में इस बार आकाश भी कृष्णमय होगा। परिषद द्वारा पहली बार मथुरा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर चार सितंबर की रात 9 से 10 बजे तक विशेष ड्रोन शो आयोजित किया जाएगा। किशोरी रमण बीएड कॉलेज से बॉटलैब डायनामिक्स के इस भव्य लाइट शो में 500 ड्रोन शामिल होंगे।

टिप्स

गुणवत्तापूर्ण नींद है नींव सेहतमंद तन और मन की

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में नींद उन आवश्यकताओं में समाहित हो गई है, जिसकी सबसे अधिक उपेक्षा की जा रही है। देर रात तक मोबाइल और सोशल मीडिया का इस्तेमाल, काम का तनाव, देर से भोजन, अनियमित दिनचर्या और सुबह जल्दी उठने की मजबूरी ने हमारी प्राकृतिक नींद को प्रभावित किया है। इसका परिणाम केवल सुबह उठने पर थकान के रूप में नहीं मिलता, बल्कि धीरे-धीरे शरीर और मन दोनों की कार्यक्षमता प्रभावित होने लगती है। आयुर्वेद ने निद्रा को केवल शरीर को आराम देने वाली अवस्था नहीं माना, अपितु उसे सुख, स्वास्थ्य, पोषण, शारीरिक शक्ति, मानसिक क्षमता और जीवन से जोड़ा है।

नींद है स्वास्थ्य का आधार : आयुर्वेद के अनुसार उचित नींद से शरीर को पोषण मिलता है, शक्ति बढ़ती है, मन प्रसन्न रहता है और कार्य करने की क्षमता बेहतर होती है। इसके विपरीत नींद की कमी व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक रूप से कमजोर कर सकती है। इसलिए नींद को समय की बबार्दी या आलस्य समझना उचित नहीं है। जिस प्रकार भोजन शरीर के लिए आवश्यक है, उसी प्रकार उचित नींद भी स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। केवल अधिक सोना स्वास्थ्य का संकेत नहीं है। सही समय पर और आवश्यकता के अनुरूप सोना अधिक महत्वपूर्ण है।

अधिक नींद भी नुकसानदेह : आयुर्वेद असमय सोने, आवश्यकता से अधिक सोने और आवश्यकता के बावजूद पर्याप्त नींद न लेने- तीनों को स्वास्थ्य के लिए अनुचित मानता है। स्वस्थ जीवन के लिए सोने और जागने का समय यथासंभव नियमित होना चाहिए।

रात में जागना हानिकारक : रात्रि का समय शरीर और मन के विश्राम के लिए स्वाभाविक रूप से निर्धारित है। लगातार रात में जागने से शरीर में रूक्षता और वात संबंधी विकार बढ़ने की संभावना रहती है। शरीर में टूटन, थकान, बेचैनी,, सिर भारी रहना, एकाग्रता में कमी और पाचन संबंधी समस्याएं इससे जुड़ सकती हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यों का प्रमंडलीय आयुक्त ने लिया जायजा

साहिबगंज : मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के प्रथम दौरे के तहत प्रमंडलीय आयुक्त संथाल परगना प्रमंडल-सह-मतदाता सूची प्रेक्षक शैलेंद्र कुमार लाल द्वारा जिले के बरहेट प्रखंड के विभिन्न मतदान केंद्रों का भ्रमण कर चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यो का जायजा लिया गया। आयुक्त ने प्रखंड अंचल एवं पंचायत स्तर पर चल रहे की सुनवाई प्रक्रिया की समीक्षा की जबकि निरीक्षण के क्रम में प्रमंडलीय आयुक्त ने संबंधित केंद्रों पर मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रपत्रों के संधारण दावे आपत्तियों तथा मतदाताओं से संबंधित अन्य प्रक्रियाओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों व कर्मियों को पुनरीक्षण कार्य में पारदर्शिता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि मतदाता सूची लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है। अतः प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल हो किसी भी पात्र मतदाता का नाम छूटे नहीं -इस दिशा में पूरी गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाए।इस अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती कुमुदिनी टुडू सहित संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

आयुक्त संथाल परगना प्रमंडल का बरहेट आगमन, विकास कार्यों की ली जानकारी

साहिबगंज : आयुक्त संथाल परगना प्रमंडल शैलेंद्र कुमार लाल के बरहेट प्रखंड आगमन पर उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया गया। इस संदर्भ में उप विकास आयुक्त द्वारा साहिबगंज जिले में संचालित विभिन्न विकास व कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति से आयुक्त महोदय को अवगत कराया और उन्होंने जिले में चल रहे विकास कार्यों योजनाओं के क्रियान्वयन एवं प्रगति की संक्षिप्त जानकारी साझा की।आयुक्त महोदय के आगमन से प्रशासनिक समन्वय एवं विकास कार्यों को और अधिक गति देने की दिशा में सकारात्मक संदेश मिला।

गणतंत्र परेड शिविर 2026-27 के कार्यक्रम में हुआ चयन

साहिबगंज : राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक हिस्सा लेंगे विश्वविद्यालय दुमका में पूर्व गणतंत्र परेड शिविर 2026-27 के कार्यक्रम में चयन हेतु सिदो कान्हू मुर्मू दुमका विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा निर्गत पत्र के आलोक में साहिबगंज महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर रंजीत कुमार सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को पूर्व गणतंत्र परेड शिविर 2026-27 कार्यक्रम में चयन हेतु कार्यक्रम पदाधिकारी प्रोफेसर कुमार प्रशांत भारती के नेतृत्व में भेजना सुनिश्चित किया है।ये स्वयंसेवक सिदो मुर्मू विश्वविद्यालय दिग्घी परिसर में चयन प्रक्रिया में हिस्सा लेंगे।इसके बाद इनका चयन 26 जनवरी 2027 नई दिल्ली में आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस परेड हेतु होगा।वहीं राष्ट्रीय सेवा योजना युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय भारत सरकार के सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका द्वारा एक पत्र महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी सह जिला नोडल पदाधिकारी प्रोफेसर कुमार प्रशांत भारती को उनके इस चयन कार्यक्रम में चयन समिति के सदस्य के रूप में मनोनीत होने हेतु प्राप्त हुआ है। जिसमें उन्हें उक्त चयन प्रक्रिया में प्रतिभागियों के चयन समिति के सदस्य के रूप में भाग लेना है।

बरही अनुमंडलीय अस्पताल में जानकी यादव का औचक निरीक्षण

बरही : झारखंड राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष सह बरकट्ठा के पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव ने बरही अनुमंडलीय अस्पताल का औचक निरीक्षण कर अस्पताल की व्यवस्थाओं, स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सीय सुविधाओं एवं एक्सरे रूम की जमीनी स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल प्रभारी को कई आवश्यक दिशा. निर्देश दिए। जानकी प्रसाद यादव ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने में हो रही देरी पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि बरकट्ठा प्रखंड में हाथियों के हमले में मारे गए बंडासिंघा निवासी मुकेश कुमार एवं केंदुआ-03, पंचायत चुगलामो निवासी रूपलाल यादव सहित अन्य मृतकों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट अब तक परिजनों को उपलब्ध नहीं कराई गई है। बरही अनुमंडल क्षेत्र के लोगों को भी समय पर रिपोर्ट नहीं मिलने की लगातार शिकायतें मिल रही थीं, जिसके बाद उन्हें अस्पताल का निरीक्षण करना पड़ा. उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि अब किसी भी प्रकार की लेटलतीफी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही अस्पताल में सक्रिय दलालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

क्षेत्र भ्रमण के दौरान पूर्व मंत्री आलमगीर आलम ने ग्रामीणों से किया सीधा संवाद, सुनीं समस्याएं

माधवापाड़ा पंचायत के जमालपुर चांदपुर व मध्यटोला में हुआ क्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत माधवापाड़ा पंचायत में बुधवार को झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता आलमगीर आलम का क्षेत्र का भ्रमण कर लोगों का हाल चाल जाना।इस दौरान उन्होंने पंचायत के विभिन्न गांवों का दौरा कर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया तथा क्षेत्र की स्थानीय समस्याओं एवं जनसरोकार से जुड़े मुद्दों की जानकारी ली।पूर्व मंत्री के क्षेत्र भ्रमण को लेकर ग्रामीणों एवं कांग्रेस कार्यकताओं में खासा उत्साह देखने को मिला।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आलमगीर आलम ने सबसे पहले जमालपुर स्थित पंचायत भवन के पास ग्रामीणों से मुलाकात की। इसके बाद चांदपुर में अलाउदीन के घर के पास पहुंचकर स्थानीय लोगों से संवाद किया।वहीं चांदपुर मध्यटोला में ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना।क्षेत्र भ्रमण के दौरान ग्रामीणों नेसड़क,पेयजल,आवास,पेंशन,नाली सहित विभिन्न स्थानीय समस्याओं को पूर्व मंत्री के समक्ष रखा।आलमगीर आलम ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विषयों पर आवश्यक पहल समाधान का भरोसा दिलाया।उन्होंने कहा मेरी प्राथमिक जिम्मेदारी है की जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझना और उनके समाधान के लिए लगातार प्रयास करना है।इस दौरान ग्रामीणों को एस आईआर नोटिस के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई तथा यह समझाया गया कि कौन-कौन से दस्तावेज आवश्यक हैं,दस्तावेज कैसे तैयार करने हैं और उन्हें किस प्रकार प्रस्तुत करना है।ग्रामीणों की समस्याओं शंकाओं को सुनकर उन्हें उचित जानकारी देते हुए समाधान का मार्ग बताया गया।इस दौरान ग्रामीणों ने भी अपने क्षेत्र के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की और पूर्व मंत्री के समक्ष अपनी अपेक्षाएं रखीं।श्री आलम ने कहा कि क्षेत्र के लोगों के साथ उनका पुराना और आत्मीय संबंध रहा है तथा जनता की समस्याओं के समाधान के लिए वे हमेशा तत्पर रहेंगे।कहा कि जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुनना और उनके सुख-दुख में सहभागी बनना ही कांग्रेस की जनसेवा की परंपरा है।कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान,प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष रंजीत टुडू,प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार दास मोफ्फकर हुसैन जमीरुल इस्लाम जब्बार शेख,अब्दुल कादिर दिलदार आलम शकील अहमद,अलाउद्दीन शेख नेहाल अख्तर आलम शेख,नुरूल शेख अजमल हुसैन कमरूल शेख शारिक रब्बानी सहित कांग्रेस के कई पदाधिकारी पंचायत व बूथ स्तर के कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

जलापूर्ति योजनाओं के निरीक्षण में गुणवत्ता समयबद्धता और सुचारु संचालन पर जोर

उपविकास आयुक्त की अध्यक्षता में संयुक्त तकनीकी प्रशासनिक दल ने किया योजनाओं का स्थल निरीक्षण

संवाददाता

साहिबगंज : जिले में आमजनों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित करने व संचालित जलापूर्ति योजनाओं की गुणवत्ता प्रगति की जमीनी स्थिति का जायजा लेने के उद्देश्य से उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा की अध्यक्षता में उपायुक्त साहिबगंज द्वारा गठित तकनीकी व प्रशासनिक पदाधिकारियों के संयुक्त दल द्वारा राजमहल, पतना एवं बरहेट प्रखंड अंतर्गत विभिन्न जलापूर्ति योजनाओं का स्थल निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान संयुक्त दल द्वारा संबंधित जलापूर्ति योजनाओं के निर्माण एवं क्रियान्वयन की प्रगति, कार्य की गुणवत्ता, संरचनाओं की स्थिति, पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था तथा योजनाओं के सुचारु संचालन से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों द्वारा स्थल पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए आवश्यक तकनीकी व प्रशासनिक निर्देश दिए गए।

उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि जलापूर्ति योजनाओं के कार्यों में गुणवत्ता मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण कराया जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध हो सके। उन्होंने योजनाओं के संचालन एवं रख-रखाव पर भी विशेष ध्यान देने तथा किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।निरीक्षण के दौरान कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, साहिबगंज, सहायक अभियंता आरडीएसडी, तकनीकी पदाधिकारी संबंधित कनीय अभियंता उपस्थित रहे। संबंधित अधिकारियों द्वारा योजनाओं की वर्तमान स्थिति एवं प्रगति से संयुक्त दल को अवगत कराया गया।जिला प्रशासन द्वारा जिले में हर घर तक स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जलापूर्ति योजनाओं की नियमित निगरानी एवं स्थलीय निरीक्षण को प्राथमिकता दी जा रही है। प्रशासन का लक्ष्य है कि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए ग्रामीण परिवारों को दीर्घकालिक व सतत पेयजल सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

तीन मासूम बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बरहेट-लिट्टीपाड़ा मुख्य सड़क मार्ग पर कदमा गांव के समीप मंगलवार को एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई। इस दर्दनाक हादसे में मोटरसाइकिल सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई।जबकि बाइक पर पीछे बैठा उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हालांकि मृतक की पहचान आमापारा के नारायणपुर निवासी निकोलश हसदा के रूप में हुई है.वहीं घायल साथी की पहचान जिनसे टुडू के रूप में की गई है।इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।झामुमो महिला मोर्चा की जिला सचिव संगीता हांसदा ने घटना के संबंध में बताया कि निकोलश हांसदा रिश्ते में उनके साढू उनकी बहन के पति थे।इन दिनों सरकारी स्तर पर चल रहे एसआईआर विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान कार्य के तहत अपनी पत्नी के दस्तावेजों को दुरुस्त कराने के लिए निकोलश को प्रमाण पत्रों की आवश्यकता थी।इसी सिलसिले में वह अपनी पत्नी का जाति आय और निवास प्रमाण पत्र ऑनलाइन आवेदन कराने अपने साथी जिनसे टुडू के साथ मोटरसाइकिल से मंडरो गया हुआ था।मंडरो से सरकारी काम पूरा करने के बाद दोनों दोस्त बाइक से वापस अपने गाँव आमापारा लौट रहे थे।जैसे ही उनकी मोटरसाइकिल बरहेट-लिट्टीपाड़ा मुख्य मार्ग पर स्थित कदमा गांव के समीप पहुंची विपरीत दिशा से बेहद तेज रफ्तार में आ रहे एक मुर्गा लदे पिकअप वाहन ने उनकी बाइक को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। जिससे टक्कर इतनी भयानक थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए।सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण निकोलश हांसदा ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।मौके पर सुनीराम हसदा,समदा सोरेन,अन्य मौजूद थे।

पाकुड़ में दिन-दहाड़े ज्वेलरी दुकान से लाखों की लूट

संवाददाता

पाकुड़ : जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड मुख्यालय स्थित एक ज्वेलरी दुकान में बदमाशों ने दिन-दहाड़े लूट की और फिर मौके से फरार हो गए। वारदात के दौरान बदमाशों ने फायरिंग भी की। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची, दुकानदार और आस-पास के लोगों से पूछताछ की और सीसीटीवी फुटेज की जांच की। जानकारी के मुताबिक, हथियारबंद अपराधी अमरापाड़ा बाजार स्थित किशुन वर्मा ज्वेलर्स में घुस गए और दुकानदार और स्टाफ को डराने-धमकाने लगे। फिर लाखों रुपये के सोने-चांदी के गहने लूटकर ले गए। दिन-दहाड़े हुई इस लूट की घटना से अमरापाड़ा बाजार के व्यापारियों में डर का माहौल है।

दुकान से कितने सोने-चांदी के गहने चोरी हुए हैं, दुकानदार उसका आकलन कर रहा है। वहीं, पुलिस ने अपराधियों को पकड़ने के लिए संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी शुरू कर दी है। पुलिस की एक टीम दुकान के सीसीटीवी फुटेज की भी जांच कर रही है ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके और उन्हें गिरफ्तार किया जा सके।

घटना की जानकारी मिलने पर एसडीपीओ विजय कुमार अपनी टीम के साथ पहुंचे और मौजूद अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने घटनास्थल का मुआयना भी किया। वहीं एसपी अनुदीप सिंह भी अमड़ापाड़ा प्रखंड पहुंचे और घटनास्थल की जांच करते हुए दुकानदार से पूछताछ की।

एसपी ने बताया कि तीन नकाबपोश अपराधियों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया है। उन्हें पकड़ने के लिए अलग-अलग पुलिस टीमें बनाई गई हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पुलिस अपराधियों को जल्द गिरफ्तार करने के लिए तेजी से काम कर रही है।

ग्रामीण प्रशिक्षण संस्थान में 35 दिवसीय निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण शुरू

महिलाओं को सौंदर्य प्रसाधन के क्षेत्र में मिलेगा कौशल प्रशिक्षण स्वरोजगार के लिए बैंक करेगा सहयोग

संवाददाता

साहिबगंज : ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ग्रामीण प्रशिक्षण संस्थान की ओर से महत्वपूर्ण पहल की गई है।संस्थान में बुधवार से महिलाओं के लिए 35 दिवसीय निःशुल्क आवासीय सौंदर्य प्रसाधन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।कार्यक्रम का उद्घाटन साहिबगंज स्टेट बैंक के मुख्य प्रबंधक आलोक कुमार मिश्रा व संस्थान के निदेशक प्रदीप कुमार झा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य प्रबंधक आलोक कुमार मिश्रा ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। महिलाओं को हुनरमंद बनाकर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ना इन योजनाओं का महत्वपूर्ण उद्देश्य है।उन्होंने कहा कि बैंक भी महिलाओं को अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए विभिन्न सरकारी ऋण योजनाओं के माध्यम से आर्थिक सहयोग उपलब्ध करा रहा है।उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से प्रशिक्षण का पूरा लाभ उठाने और सीखे गए हुनर को रोजगार का माध्यम बनाने की अपील की।उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के बाद महिलाएं स्वयं का ब्यूटी पार्लर या सौंदर्य प्रसाधन से जुड़ा छोटा व्यवसाय शुरू कर सकती हैं और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकती हैं।संस्थान के निदेशक प्रदीप कुमार झा ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सौंदर्य प्रसाधन एवं ब्यूटी केयर से संबंधित विभिन्न तकनीकी और व्यावहारिक जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण पूरी तरह निःशुल्क एवं आवासीय है।जिससे ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को विशेष रूप से लाभ मिलेगा।उन्होंने बताया कि बोकारो जिले की डीएसटी प्रशिक्षक द्वारा अगले पांच सप्ताह तक प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न प्रकार के सौंदर्य प्रसाधन,ब्यूटी केयर तथा स्वरोजगार से संबंधित आवश्यक जानकारी दी जाएगी।कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं में कौशल विकास के साथ-साथ उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद महिलाएं अपने स्तर पर स्वरोजगार शुरू कर परिवार की आय बढ़ाने में भी योगदान दे सकेंगी।मौके पर संकाय राजहंस कुमार,उपेंद्र गोप आर सेटी के सदस्य एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

शो में बीमार पड़ने पर छलका आकांक्षा चमोला का दर्द, कहा-

ठीक से खाना भी नहीं मिला

टेलीविजन अभिनेत्री आकांक्षा चमोला ने रियलिटी शो 'लॉक अप सीजन 2' में अपने जीवन से जुड़े कई बड़े और चौंकाने वाले खुलासे किए, जिसके बाद सोशल मीडिया पर काफी हंगामा देखने को मिला था। अभिनेत्री ने बातचीत में सीक्रेट रिवील करने के बाद माता-पिता के रिएक्शन के बारे में बताया। अभिनेत्री का कहा, 'नहीं मेरे ससुराल वालों ने कुछ नहीं कहा क्योंकि हम एक-दूसरे से बात नहीं करते और माता-पिता हमारे अपने होते हैं, तो वे क्या ही कहेंगे। कौन से माता-पिता अपने बच्चे से कुछ कहेंगे।' जब अभिनेत्री से आईएएनएस ने पूछा, 'कुछ लोगों ने आपकी बातों को बहुत डार्क-रिवीलेशन बताया। आप इस बारे में क्या कहेंगी? अभिनेत्री आकांक्षा चमोला ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि यह कोई डार्क रिवीलेशन था। मैं पिछले डेढ़ साल से अपने माता-पिता के साथ रह रही हूं, वे एक तरह से इसके लिए तैयार थे। बस इतना हुआ कि उन्हें इसके बारे में नेटफ्लिक्स के जरिए पता चला। जहां तक बाइसेक्सुअलिटी की बात है, मुझे लगता है कि उन्हें इसके बारे में भी पता चल गया था। अभिनेत्री ने अपने गेम के बारे में बात करते हुए कहा, 'मैंने शो के अंदर अपना बेस्ट देने की पूरी कोशिश की है। मैंने वही किया, जो मैं करना चाहती थी। शो के अंदर अभिनेत्री आकांक्षा चमोला की हालत थोड़ी खराब हो गई थी, जिसके पीछे की वजह पर बात करते हुए उन्होंने कहा, 'शो के अंदर हालात ऐसे थे कि कोई भी बीमार पड़ सकता है। आप इमोशनली, मेंटली और फिजिकली कमजोर हो जाते हैं। इसके बावजूद, कई बार ऐसा होता था कि आपको ठीक से खाना नहीं मिलता था। आप सर्वाइवल फेज में होते थे और आपको ठंडे पानी से नहाना पड़ता था, तो ऐसे में बीमार पड़ना तो स्वाभाविक है। ' अभिनेत्री से आगे कहा कि शिल्पा शिंदे ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अटेंशन सीकर कहा था।

दीपक तिजोरी ने दिया था 'बाजीगर' का आइडिया

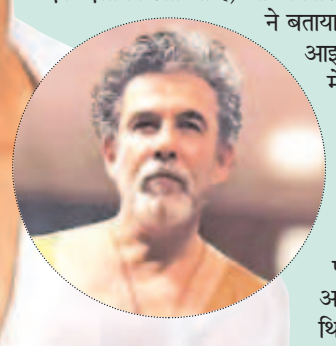

दीपक तिजोरी हिंदी सिनेमा के उन कलाकारों में गिने जाते हैं, जिन्होंने 1990 के दशक में अपनी अलग पहचान बनाई। 'आशिकी', 'जो जीता वही सिकंदर', 'खिलाड़ी' और कई दूसरी फिल्मों में उन्होंने ऐसे किरदार निभाए, जो आज भी लोगों को याद हैं। लेकिन, उनके करियर से जुड़ा एक ऐसा किस्सा भी है, जो अक्सर चर्चा में रहता है। एक इंटरव्यू में दीपक तिजोरी ने बताया कि सुपरहिट फिल्म 'बाजीगर' का शुरुआती आइडिया उन्होंने अब्बास-मस्तान को दिया था। बाद में यही शाहरुख खान के करियर की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक बन गई। हालांकि, दीपक का कहना है कि इस पूरे मामले को लेकर उनके मन में कभी कड़वाहट नहीं रही। दीपक तिजोरी का जन्म 28 अगस्त 1961 को मुंबई में हुआ था। पढ़ाई पूरी करने के बाद उनका झुकाव अभिनय की ओर बढ़ा और उन्होंने थिएटर से सफर की शुरुआत की।

बिग बॉस 20 में जाने की खबरों को शिवांगी जोशी ने बताया फर्जी, फैंस को किया सावधान

टीवी की मशहूर अभिनेत्री शिवांगी जोशी को लेकर बिग बॉस 20 में शामिल होने की खबरें वायरल हो रही थीं. अभिनेत्री ने खुद सामने आकर इन दावों को खारिज कर दिया है. टीवी अभिनेत्री शिवांगी जोशी भारतीय टेलीविजन की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक हैं. ये रिश्ता क्या कहलाता है और बरसातें: मौसम प्यार का जैसे शोज में अपने अभिनय से उन्होंने दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई है. अभिनेत्री हाल ही में लॉक अप 2 में नजर आई थीं. उनके शो में शामिल होने के बाद से ही उनके अगले प्रोजेक्ट को लेकर फैंस के बीच काफी उत्सुकता बनी हुई थी.

बिग बॉस के आगामी सीजन को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की खबरें सामने आ रही हैं. इसी बीच दावा किया गया कि शिवांगी जोशी को बिग बॉस 20 के कंटेस्टेंट के तौर पर कंफर्म कर लिया गया है. सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी तेजी से वायरल हुआ, जिसे अभिनेत्री की बिग बॉस में एंट्री की आधिकारिक पुष्टि के तौर पर पेश किया जा रहा था. इस वीडियो के वायरल होने के बाद शिवांगी के फैंस के बीच भी उनकी बिग बॉस में एंट्री को लेकर चर्चा तेज हो गई.

शिवांगी जोशी ने बताया वीडियो फर्जी

अब शिवांगी जोशी ने खुद सामने आकर इन खबरों पर सफाई दी है. अभिनेत्री ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए वायरल वीडियो को फर्जी बताते हुए साफ कर दिया कि वह बिग बॉस 20 का हिस्सा नहीं हैं.

शिवांगी ने लिखा, 'यह मेरे संज्ञान में आया है कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें बिग बॉस में मेरी भागीदारी की पुष्टि करने का झूठा दावा किया जा रहा है. मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि मैं बिग बॉस 20 में हिस्सा नहीं ले रही हूं और यह वीडियो पूरी तरह फर्जी है. '

फैंस को किया अफवाहों से सावधान

शिवांगी के इस बयान के बाद उनकी बिग बॉस में एंट्री को लेकर चल रही अटकलों पर फिलहाल विराम लग गया है. वायरल वीडियो को कई सोशल मीडिया यूजर्स ने आधिकारिक घोषणा समझ लिया था, लेकिन अभिनेत्री ने खुद इसकी सच्चाई स्पष्ट कर दी है. उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि जब तक उनकी ओर से या शो के मेकर्स की तरफ से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं होती, तब तक ऐसी खबरों पर भरोसा नहीं किया जाना चाहिए.

डेब्यू से पहले ही परफेक्शनिस्ट थे ऋतिक रोशन: गीता कपूर

अभिनेता ऋतिक रोशन अपने अभिनय, बेहतरीन डांस और जबरदस्त फिटनेस के लिए जाने जाते हैं। मशहूर कोरियोग्राफर गीता कपूर ने अभिनेता की डेब्यू फिल्म के दिनों को याद करते हुए बताया कि शूटिंग के दौरान काफी तैयारी के साथ आते थे। गीता कपूर ने अभिनेता ऋतिक रोशन की पहली फिल्म 'कहो ना... प्यार है' के शूटिंग के पलों को याद करते हुए बताया कि उन्हें फिल्म के हर गाने में असिस्ट करने का मौका मिला था। अभिनेता के बारे में अपनी पहली राय बताते हुए उन्होंने कहा कि उनकी तैयारी, सीखने की इच्छा और कोरियोग्राफी को समझने की क्षमता को देखकर लगता था कि उन्हें एक नए कलाकार से कहीं ज्यादा अनुभव है। उन्होंने कहा, 'सेट पर सभी लोग ऋतिक को देखकर हैरान रह जाते थे, क्योंकि वह बहुत तैयारी के साथ आते थे और डायरेक्टर व कोरियोग्राफर की हर बात को ध्यान से सुनते थे। उन्हें देखकर यकीन करना मुश्किल था कि वह एक नए कलाकार हैं। कोरियोग्राफर ने बताया कि ऋतिक रोशन शूट में आने से पहले अपना सारा होमवर्क करके आते थे। उन्होंने पता होता था कि डांस किस तरह से करना है। उन्होंने कहा, 'वे इतने खुले दिमाग के थे, कोरियोग्राफर की बात सुनना, डायरेक्टर की भी बात सुनना। क्योंकि किरदार ऐसा था कि पहले हाफ में जो लड़का था, वो एक धीमा, सॉफ्ट, अच्छा लड़का था और फिर दूसरे हाफ में एक कैसानोवा, गुड लुकिंग, शानदार डांसर। जिस तरह से उसने प्ले किया, मैं शॉक्ड थी। जैसे, ये कैसे कर लेता है यार? नया है, कुछ तो खामियां हों, कुछ तो गलतियां हों। मेरे लिए, वो परफेक्ट था, हर टेक में परफेक्ट। ' गीता कपूर ने कहा कि वह खुशकिस्मत थीं कि उन्हें ऋतिक की पहली फिल्म के हर गाने में असिस्ट करने का मौका मिला और उन्हें याद है कि कैसे उनका डांस तुरंत सबसे अलग दिखता था। उन्होंने कहा, 'मैं अपने आपको सौभाग्यशाली मानती हूं कि मुझे ऋतिक रोशन के साथ काम करने का मौका मिला था।

मैंने बहुत समय के बाद एक ऐसा आर्टिस्ट देखा, एक ऐसा लड़का देखा जिसने स्क्रीन पर एक अच्छे डांसर की पहचान बनाई। वह एक अच्छा एक्टर और डांसर दोनों था। उससे पहले तो, हमारे लिए रेफरेंस पॉइंट पे सिर्फ गोविंदा जी थे, जो डांसिंग हीरो थे।

चुंबक से कॉमेडी में कदम रख रहीं संदीपा धर

अभिनेत्री संदीपा धर अपनी आगामी वेब सीरीज़ 'चुंबक' के साथ अभिनय का एक नया पहलू दर्शकों के सामने लाते हुए पहली बार कॉमेडी की दुनिया में कदम रख रही हैं। उनका मानना है कि इस शैली में उनकी शुरुआत बिल्कुल उसी तरह के हास्य के साथ हो रही है, जिसका वह हमेशा हिस्सा बनना चाहती थीं। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए संदीपा ने कहा, 'ये बात बिल्कुल सही है कि मैंने पहले कभी आउट एंड आउट कॉमेडी नहीं की है, खासकर इस तरह की कॉमेडी तो बिल्कुल नहीं। हालांकि मैंने हमेशा से सोचा था कि अगर मुझे कॉमेडी करनी है, तो वह आतिश और जेडी जैसी कॉमेडी हो, और मैं बहुत भाग्यशाली हूँ कि मुझे वही मिला। ' गौरतलब है कि संदीपा धर के लिए 'चुंबक' सिर्फ एक नई शैली में काम करने का एक मौक़ा नहीं है, बल्कि यह कॉमेडी को एक अलग और ताज़े अंदाज़ में समझने और प्रस्तुत करने का मौका भी है। वह इस बात को लेकर बेहद खुश हैं कि उन्हें इस शो का हिस्सा बनने का अवसर मिला। इस सिलसिले में वे कहती हैं, 'मैं बहुत खुश हूँ कि उन्होंने मुझे 'चुंबक' का हिस्सा बनाया और निश्चित रूप से नेटफ्लिक्स का भी शुक्रिया, जिसने इस तरह के प्रोजेक्ट को अपना समर्थन दिया। पर्सनली मैं अगर आतिश और जेडी सर की बात करूं तो एक दर्शक के तौर पर मुझे उनके पिछले शोज़ बहुत पसंद आए हैं। स्पेशियलि, एक मिलेनियल होने के नाते मैं खुद भी अब कुछ ऐसा ही देखना चाहती थी।

42 की उम्र में मां बनीं Karishma ने शेयर किया पोस्टपार्टम सीक्रेट, न्यू मॉम को जल्द रिकवरी का दिया मूलमंत्र

करिश्मा तन्ना ने 42 साल की उम्र में मां बनने के बाद अपना पोस्टपार्टम केयर रूटीन उन न्यू मां के साथ शेयर किया, जिन्हें वापस अपनी हेल्थ सुधारने में काफी समय लगता है। 'नागिन' एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना इस वक्त अपने सबसे ब्यूटीफुल फेज में हैं। बिजनेसमैन वरुण बंगेरा से शादी के चार साल बाद एक्ट्रेस ने बीते महीने ही 42 साल की उम्र में अपनी पहली संतान का स्वागत किया। जुलाई में बेटे को जन्म देने वालीं करिश्मा तन्ना ने हाल ही ने डिलीवरी के बाद के पीरियड के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने न्यू मॉम के साथ कुछ पोस्टपार्टम पीरियड में किन चीजों का खास ध्यान रखना चाहिए, यह जानकारी भी शेयर की।

डिलीवरी के बाद खुद का रखती हैं पूरा ध्यान

करिश्मा तन्ना ने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट शेयर करते हुए बताया कि आजकल उनका पूरा समय बच्चे के पोषण, हीलिंग और मिल्क पंप करने मे बीत रहा है, लेकिन ऐसे में भी वह चाइल्ड बर्थ के बाद अपने खान-पान को लेकर कुछ चीजों का पूरा ध्यान रख रही हैं। एक्ट्रेस ने तस्वीरें शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'मैं अपने पोस्टपार्टम केयर रूटीन की छोटी सी झलक आप लोगों के साथ शेयर कर रही हूं। मैं क्या खाती हूं, क्या पीती हूं, जिससे मिल्क ज्यादा बने। कैसे मैं सूजन को कम करती हूं। कमर दर्द से कैसे राहत पाती हूं और कैसे मैं पोषण, हीलिंग, पमपिंग लगातार करने के बाद भी कैसे खुद को हाइड्रेड रखती हूं यह मैं आपको बता रही हूं। '

यूएस ओपनः टियाफोए तीसरे दौर में, इग्नासियो बुसे ने जीत के साथ दादा की विरासत को आगे बढ़ाया

एजेंसी

न्यूयॉर्क : अमेरिका के फ्रांसेस टियाफोए ने बुधवार को जापान के क्वालीफायर रेई सकामोटो को सीधे सेटों में हराकर यूएस ओपन 2026 के तीसरे दौर में जगह बना ली। वहीं पेरू के इग्नासियो बुसे ने पांच सेट के रोमांचक मुकाबले में जीत दर्ज कर इस ग्रैंड स्लैम में अपनी पहली जीत हासिल की और अपने दादा एडुआर्डो की विरासत को आगे बढ़ाया।

दुनिया के 12वें नंबर के खिलाड़ी टियाफोए ने लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में घरेलू दर्शकों के समर्थन के बीच सकामोटो को 6-3, 7-6(7-2), 7-5 से हराया। टियाफोए की नजर न्यूयॉर्क में 23 साल से चले आ रहे अमेरिकी पुरुष चैंपियन के इंतजार को खत्म करने पर है।

28 वर्षीय टियाफोए ने मैच के पहले ही गेम में सकामोटो की सर्विस तोड़ी और पहला सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में वह जीत की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन लगातार दो डबल फॉल्ट ने सकामोटो को वापसी का मौका दे दिया। जापानी खिलाड़ी ने सेट को टाईब्रेक तक पहुंचाया, लेकिन दो बार यूएस ओपन सेमीफाइनल खेल चुके टियाफोए ने टाईब्रेक में शुरूआती पांच में से चार अंक जीतकर दो सेट की बढ़त बना ली। सकामोटो ने मुकाबले में 18 ऐस लगाए, लेकिन 40 अनफोर्स्ड एरर भी किए। टियाफोए ने पहले दौर में पांच सेट तक चले मुकाबले के बाद इस बार सीधे सेटों में जीत दर्ज कर राहत की सांस ली। तीसरे दौर में उनका सामना कामिल माजच्राक या वैलेन्तिन वाशेरो से होगा।

बुसे ने दादा की विरासत को आगे बढ़ाया

पेरू के 32वीं वरीयता प्राप्त इग्नासियो बुसे ने भी बुधवार को अमेरिकी खिलाड़ी मार्कोस गिरोन को 3-6, 6-3, 6-3, 6-7(6-8), 6-1 से हराकर यूएस ओपन में अपनी पहली जीत दर्ज की। कोर्ट नंबर छह पर तीन घंटे 48 मिनट चले मुकाबले में जीत के साथ बुसे ने अपने परिवार के ग्रैंड स्लैम इतिहास में नया अध्याय जोड़ा। 22 वर्षीय बुसे ने पांचवें सेट में मानसिक मजबूती दिखाते हुए मुकाबला अपने नाम किया। मैच के बाद उन्होंने कहा, ह्लऐसे हालात में शांत रहना मुश्किल होता है, लेकिन पांचवें सेट में मैंने मानसिक रूप से खुद को संभालने की कोशिश की। यह मानसिक लड़ाई थी और मैंने शांत रहने की कोशिश की। यह मेरे लिए बेहद खास पल है। बुसे ने अपने दादा एडुआर्डो को कभी नहीं देखा, लेकिन उनकी जीत ने परिवार के यूएस ओपन से जुड़े करीब सात दशक पुराने रिश्ते को फिर जीवंत कर दिया। एडुआर्डो ने अपने जुड़वां भाई एनरिके के साथ टेनिस में पहचान बनाई थी और 1942 में इस टूर्नामेंट में पहली बार हिस्सा लिया था। एडुआर्डो ने 1958 में अमेरिकी खिलाड़ी एडवर्ड एटकिंसन को पांच सेट में हराकर यूएस ओपन में अपनी आखिरी जीत दर्ज की थी।

नेपाल बाढ़: सोनू सूद ने बढ़ाया मदद का हाथ, बोले- 'तुम अकेले नहीं हो नेपाल'

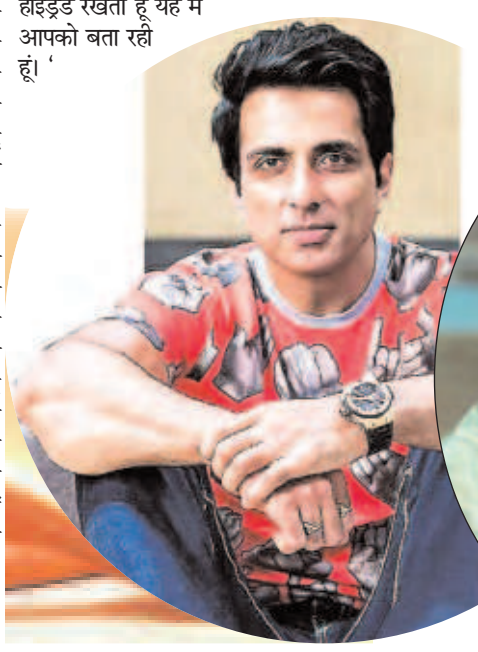

मनीषा कोइराला बोलीं- 'दुआ करिए'

तिब्बत की सीमा से लगे मध्य नेपाल के जिलों में बुधवार सुबह अचानक आई भीषण बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। सोनू सूद फिर मसीहा बने हैं। उन्होंने मदद का हाथ बढ़ाया है। नेपाल के रसुवा क्षेत्र में भोटेकोशी नदी में आई भीषण बाढ़ के बाद हालात चिंताजनक हैं। इस प्राकृतिक आपदा में 95 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की गई है और 500 से अधिक लोग लापता बताए जा रहे हैं। बाढ़ के हालातों के बीच सोनू सूद ने नेपाल के लिए मदद का हाथ बढ़ाया है। मनीषा कोइराला ने भी पोस्ट शेयर किया है।

सोनू सूद बोले- 'हम आ रहे हैं'

जरूरतमंदों की मदद की बात हो, तो अभिनेता सोनू सूद हमेशा आगे रहते हैं। बाढ़ के हालातों का सामना कर रहे नेपाल के लिए भी वे सपोर्ट में आए हैं। उन्होंने नेपाल के लोगों को हिम्मत देते हुए एक्स अकाउंट से पोस्ट साझा किया है। सोनू सूद ने लिखा है, 'नेपाल, तुम अकेले नहीं हो। हम आपके लिए खाना, रहने की जगह और फिर से सब कुछ बनाने में मदद करने का हौसला लेकर आ रहे हैं'।

मनीषा ने साझा की संवेदनाएं

नेपाली मूल की चर्चित बॉलीवुड अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा किया है। उन्होंने बाढ़ के इन हालातों में लोगों से नेपाल के लिए प्रार्थना करने की अपील की है।

वैश्विक व्यवधान के बावजूद भारत की 7.8 फीसदी ग्रोथ शानदार: सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि दुनियाभर में आई मुश्किलों के बावजूद भारत ने वित्त वर्ष 2026-27 की (अप्रैल-जून) पहली तिमाही में 7.8 फीसदी की ₹शानदार ग्रोथ₹ दर्ज की है। इसके साथ ही तमाम चुनौतियों के बावजूद यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बनी हुई है।

वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को ह्यएक्सह्ल पर जारी पोस्ट में बताया कि केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को न्यूयॉर्क में बैंक ऑफ अमेरिका के साथ मिलकर भारत के महावाणिज्य दूतावास के द्वारा आयोजित एक उच्च-स्तरीय व्यावसायिक गोलमेज बैठक में निवेशकों को संबोधित करते हुए यह बात कही। निर्मला सीतारमण ने निवेशकों से कहा, ₹दुनियाभर में आई मुश्किलों और तमाम चुनौतियों के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है। चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत ने 7.8 फीसदी की शानदार विकास दर दर्ज की है। सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में सुधारों पर जोर देते हुए भारत ने कई सुधारों (जैसे इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड) के जरिए रेगुलेटरी निश्चितता भी प्रदान की है। ऐसे सुधारों से नियमों का पालन करना आसान हुआ है और कागजी काम कम हुआ है। उन्होंने बताया कि एक दशक से ज्यादा समय पहले सत्ता में आने के बाद से ही भारत सरकार का यह मुख्य फोकस रहा है। वित्तमंत्री ने कहा कि सरकार ने जिन प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है, उनमें शामिल हैं: कैपिटल एसेट्स का निर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट (खासकर एविएशन) के जरिए इंडस्ट्री को लगातार समर्थन देना; निवेश के लिए अनुकूल माहौल बनाना, एआई और डेटा सेंटर्स के विकास को बढ़ावा देना; ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स को समर्थन देना, एमएसएमई को क्रेडिट की उपलब्धता सुनिश्चित करना और बैंकों के नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स (एनपीए) को कम करना। उन्होंने कहा कि इन उपायों से बैंकों और इंडस्ट्री के फलने-फूलने, बढ़ने और मजबूत होने के लिए बेहतर बिजनेस माहौल बनाने में मदद मिली है। सीतारमण ने कहा कि कोविड-19 के आने के बाद से वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने लगातार आ रही चुनौतियों के बावजूद भारत पिछले कई वर्षों से फिस्कल प्रूडेंस (वित्तीय समझदारी) और फिस्कल डिसिप्लिन (वित्तीय अनुशासन) के रास्ते पर चलने के लिए लगातार प्रतिबद्ध रहा है।

केंद्रीय वित्तमंत्री ने भारत में निवेश के माहौल के बारे में बात की, जिसमें काफी सुधार हुआ है। केंद्र और राज्य सरकारें अपने-अपने क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने और उसे आसान बनाने में ज्यादा दिलचस्पी और प्रतिस्पर्धा दिखा रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी कोशिशें 'विकसित भारत 2047' के विजन को हासिल करने की बड़ी राष्ट्रीय मुहिम का हिस्सा हैं। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने स्वागत भाषण में कहा कि 31 अगस्त को जारी पहली तिमाही के जीडीपी आंकड़े भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश के मजबूत संबंध बनाकर भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था का फायदा दोनों देश उठा सकते हैं। इससे पहले न्यूयॉर्क के पेन स्टेशन पर पहुंचने पर अमेरिका में भारत के राजदूत वी. एम. क्वात्रा और कार्यवाहक महावाणिज्य दूत विशाल हर्ष ने सीतारमण का स्वागत किया।

पूजा से पहले राज्य चुनाव आयोग को पूरी करनी होगी सभी तैयारियां : निर्वाचन आयोग

कोलकाता : दुर्गापूजा के बाद किसी भी समय राज्य में नगर निगम और नगर पालिका चुनाव कराए जा सकते हैं। इसे लेकर राज्य के निर्देश पर कोलकाता स्थित निर्वाचन आयोग कार्यालय में बुधवार शाम एक उच्चस्तरीय वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। राज्य चुनाव आयुक्त कृष्णा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में स्पष्ट रूप से कहा गया कि पूजा से पहले चुनाव से जुड़ी सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएं। इतना ही नहीं, स्वतंत्र और शांतिपूर्ण नगर निकाय चुनाव कराने के लिए कितनी संख्या में पुलिस बल की आवश्यकता होगी, इसे लेकर राज्य चुनाव आयोग ने छह जिलों के जिलाधिकारियों से जानकारी भी मांगी है। इस महत्वपूर्ण बैठक में दार्जिलिंग, कालिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, दक्षिण 24 परगना, हावड़ा और पूर्व मेदिनीपुर के जिलाधिकारी तथा डिस्ट्रिक्ट म्यूनिसिपल इलेक्शन अधिकारियों ने हिस्सा लिया। आयोग सूत्रों के अनुसार, बैठक में मुख्य रूप से नगर क्षेत्रों की नई सीमा निर्धारण प्रक्रिया, सीटों का आरक्षण, ईवीएम प्रबंधन, अंतिम मतदाता सूची तैयार करने, मतदान केंद्रों के चयन और पर्याप्त संख्या में मतदान कर्मियों की नियुक्ति से जुड़े ढांचे की समीक्षा की गई।

हालांकि, राज्य विधानसभा चुनाव में इस्तेमाल की गई ईवीएम मशीनों से ही नगर निकाय चुनाव कराए जाएंगे या नई तकनीक वाली ईवीएम लाई जाएगी, इस संबंध में अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया जा सका है। ईवीएम की उपलब्धता के आधार पर राज्य की सभी लंबित नगर पालिकाओं में एक ही दिन मतदान कराया जाएगा या चुनाव कई चरणों में होंगे, इसे लेकर भी इस शुरूआती बैठक में कोई निश्चित निर्णय नहीं हुआ है। जिन महत्वपूर्ण नगर पालिकाओं और नगर निगमों में चुनाव लंबित हैं, उनमें पांच प्रमुख म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन शामिल हैं। इनमें कोलकाता, हावड़ा, विधाननगर, दुर्गापुर और सिलीगुड़ी प्रमुख हैं। उत्तर बंगाल और पहाड़ी क्षेत्रों में कर्सियांग, मिरिक, कालिम्पोंग, रायगंज, बुनियादपुर और धूपगुड़ी में भी चुनाव लंबित हैं। इसके अलावा बाली, डोमकल, पुजाली, पांशकुड़ा, हल्दिया, नदिया का कूपर्स कैंप और नलहाटी समेत कई अन्य नगर निकायों में भी चुनाव होने हैं। हालांकि, इस बैठक में चुनावी कार्यक्रम के मसौदे से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण समय-सीमाएं निर्धारित की गई हैं। आयोग सूत्रों के अनुसार, आगामी सितंबर महीने के मध्य तक सीटों के आरक्षण की प्रारंभिक सूची प्रकाशित की जा सकती है इसके बाद प्राप्त होने वाली सभी आपत्तियों की समीक्षा की जाएगी और अक्टूबर महीने के अंतिम सप्ताह तक आरक्षण की अंतिम सूची तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है।

31 तोपों की गर्जना से गूंजेगी छोटी काशी: गोविंददेवजी में मध्यरात्रि कृष्ण जन्मोत्सव

एजेंसी

जयपुर : श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर छोटी काशी जयपुर में तैयारियां अंतिम दौर में हैं। 4 सितंबर को गोविंददेवजी मंदिर सहित शहर के प्रमुख कृष्ण मंदिरों में विशेष आयोजन होंगे। श्रद्धालुओं की सबसे अधिक भीड़ गोविंददेवजी मंदिर में उमड़ने की संभावना है। मंदिर में तड़के 4 बजे मंगला झांकी के पट खुलने के साथ ही दर्शन शुरू होंगे।

गोविंददेवजी मंदिर में 4 सितंबर को मंगला से शयन तक सात झांकियों में श्रद्धालुओं को ठाकुरजी के दर्शन होंगे। मंगला झांकी सुबह 4 से 6:30 बजे, धूप 7 से 9 बजे, श्रृंगार 9:30 से 11:15 बजे, राजभोग 11:45 से दोपहर 1:15 बजे, ग्वाल शाम 4 से 6:30 बजे, संध्या 6:45 से 8:30 बजे और शयन के दर्शन रात 9:15 से 10:30 बजे तक होंगे। रात 10 से 11 बजे तक जन्माष्टमी व्रत कथा का आयोजन होगा। रात 12 बजे श्रीकृष्ण जन्म के अवसर पर 31 तोपों की हवाई गर्जना और विशेष आतिशबाजी की जाएगी। इसके बाद ठाकुरजी का पंचामृत अभिषेक होगा। मंदिर के मुख्य सेवादार मानस गोस्वामी ने बताया कि अभिषेक के लिए विशेष तैयारियां की गई हैं। पंचामृत अभिषेक में 425 लीटर दूध, 365 किलो दही, 11 किलो घी, 85 किलो बूरा और 11 किलो शहद का उपयोग किया जाएगा। तिथि पूजा और अभिषेक रात 12 से 12:30 बजे तक होगा। इसके बाद 5 सितंबर को रात 11 से 11:15 बजे मंगला आरती होगी।

मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम-छिंदवाड़ा में अति भारी बारिश की चेतावनी, 6 जिलों में ऑरेंज अलर्ट

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में मानसूनी बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम सक्रिय है। इसके असर से गुरुवार को प्रदेश के आधे हिस्से में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। नर्मदापुरम और छिंदवाड़ा में अति भारी बारिश का रेड अलर्ट, जबकि छतरपुर, सागर, रायसेन, नरसिंहपुर, सिवनी और बैतूल में ऑरेंज अलर्ट है। इन जिलों में अगले 24 घंटे के दौरान 4 इंच से ज्यादा बारिश होने की संभावना है। लगातार बारिश, नदी-नालों में उफान और संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए छतरपुर कलेक्टर मृणाल मीणा ने गुरुवार को जिले के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित किया है। यह छुट्टी सिर्फ विद्यार्थियों के लिए रहेगी। शिक्षकों को स्कूल पहुंचकर शैक्षणिक और विभागीय कार्य पूरे करने होंगे। मौसम विभाग के मुताबिक, सीहोर, आगर-मालवा, राजगढ़, गुना, विदिशा, अशोकनगर, शिवपुरी, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, दमोह, पन्ना, सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, डिंडौरी, मंडला, पांढुर्णा और बालाघाट में भारी बारिश हो सकती है। वहीं भोपाल, रायसेन, इंदौर, धार, आलीराजपुर, बुरहानपुर, बड़वानी, खंडवा, खरगोन, झाबुआ, उज्जैन, नीमच, मंदसौर, शाजापुर, देवास, रतलाम, बैतूल, हरदा, ग्वालियर, मुरैना, भिंड, श्योपुर, सिवनी, नरसिंहपुर, रीवा, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, सागर और छतरपुर में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश होने का अनुमान है।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, 4 सितंबर को सिस्टम आगे बढ़ेगा। इसके बाद भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर, सागर, नर्मदापुरम और चंबल संभाग में इसका ज्यादा असर दिखाई दे सकता है। भोपाल, उज्जैन और ग्वालियर में भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि इंदौर में तेज बारिश का अनुमान नहीं है। 5 सितंबर को प्रदेश के उत्तरी हिस्से में तेज बारिश हो सकती है। वहीं 6 सितंबर को ग्वालियर-चंबल संभाग में सिस्टम का असर देखने को मिलेगा। मौसम विभाग के अनुसार, मध्य प्रदेश में अब तक 714.2 मिमी यानी 28.1 इंच बारिश हो चुकी है। यह सामान्य बारिश 31.5 इंच (799.9 मिमी) के मुकाबले 3.4 इंच कम है। ओवरऑल प्रदेश में सामान्य से 11 प्रतिशत कम बारिश हुई है। पूर्वी मध्य प्रदेश में सामान्य से 4 प्रतिशत और पश्चिमी हिस्से में 17 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है।

धमतरी : महानदी किनारे बसे गांवों में अलर्ट, गंगरेल बांध के तीन गेट खोले गए

धमतरी : धमतरी जिले में लगातार हो रही बारिश और जलाशयों में पानी की बढ़ती आवक को देखते हुए जिला प्रशासन ने महानदी किनारे बसे गांवों में अलर्ट जारी किया है। जलाशयों के जलस्तर और नदी-नालों की स्थिति पर प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है। 3 सितंबर की सुबह 8 बजे प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के प्रमुख जलाशयों में जलभराव काफी अधिक हो गया है। गंगरेल जलाशय 97.40 प्रतिशत, मुरूमसिल्ली 98.61 प्रतिशत, दुधावा 86.86 प्रतिशत और सोंढूर जलाशय 69.25 प्रतिशत भर चुका है। जलाशयों में पानी की लगातार आवक को देखते हुए गंगरेल जलाशय के तीन गेटों से कुल 4670 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। इसमें 1410 क्यूसेक पानी रुद्री बैराज के माध्यम से महानदी मुख्य नहर में तथा 3360 क्यूसेक पानी महानदी में प्रवाहित किया जा रहा है।

जलाशयों में पानी की आवक और आगामी बारिश की संभावना को देखते हुए महानदी के जलस्तर में और वृद्धि होने की आशंका है। इसे देखते हुए नदी किनारे बसे गांवों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने ग्रामीणों से नदी, नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों के आसपास नहीं जाने तथा अनावश्यक रूप से नदी पार करने का प्रयास नहीं करने की अपील की है। निचले और संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतने तथा आवश्यकता पड़ने पर प्रशासन द्वारा चिन्हांकित सुरक्षित एवं ऊंचे स्थानों पर जाने की सलाह दी गई है। संबंधित अधिकारी, मैदानी अमला और स्थानीय प्रशासन संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार स्थिति पर नजर रख रहे हैं तथा आवश्यकता पड़ने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने जिलेवासियों से अपील की है कि जलाशयों में पानी की अच्छी आवक को देखते हुए प्रशासन पूरी स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है। महानदी किनारे बसे गांवों के लोग विशेष सावधानी बरतें और बढ़ते जलस्तर को देखते हुए नदी एवं जलभराव वाले क्षेत्रों से पर्याप्त दूरी बनाए रखें। उन्होंने अधिकारियों को नदी और जलाशयों के जलस्तर की नियमित निगरानी करने तथा संवेदनशील क्षेत्रों में समय पर सूचना पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। किसी भी आपात स्थिति में संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने कहा गया है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि बच्चों को नदी-नालों के पास न जाने दें, जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहें और किसी भी अफवाह पर भरोसा न करते हुए केवल अधिकृत सूचनाओं पर विश्वास करें। आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सुरक्षित एवं ऊंचे स्थानों पर चले जाएं।

गुजराती संगीत जगत के दिग्गज संगीतकार गौरांग व्यास का निधन

एजेंसी

अहमदाबाद : गुजराती फिल्म जगत के जाने-माने संगीतकार और गीतकार स्वर्गीय अविनाश व्यास के पुत्र गौरांग व्यास का बुधवार देररात अहमदाबाद में निधन हो गया। उनके निधन की खबर सामने आते ही गुजराती फिल्म और संगीत जगत में शोक की लहर दौड़ गई। वे लंबे समय से गुजराती संगीत की दुनिया में सक्रिय थे और 100 से अधिक गुजराती फिल्मों में संगीत दे चुके थे। गौरांग व्यास ने फिल्म संगीत के अलावा सुगम संगीत, लोकसंगीत, भजन, रास-गरबा, नृत्यनाटिका और टेलीविजन के लिए भी उल्लेखनीय काम किया। गुजराती विश्वकोश के अनुसार वर्ष 2004 तक वे करीब 100 से अधिक गुजराती फिल्मों में संगीत दे चुके थे। इसके अलावा उन्होंने गुजराती गीतकारों और गजलकारों की 500 से अधिक रचनाओं को संगीतबद्ध किया। गौरांग व्यास ने गुजराती रास-गरबा संगीत में भी कई नए प्रयोग किए। उनके संगीत से जुड़े चर्चित एलबमों में ह्यजालारामनी झूंपड़ीह्ल, ह्यभजन अनमोलह्ल, ह्यगंगा सतीना भजनोंह्ल, ह्यकहत कबीरह्ल, ह्यजालाराम बापानुं हालरडुह्ल, ह्यप्राचीन प्रभातियांह्ल और ह्यनॉन स्टॉप डांडिया-रासह्ल शामिल हैं। गुजराती सिनेमा में ह्यलव नी भवईह्ल जैसी चर्चित फिल्म में उनका संगीत खास तौर पर याद किया जाता है। उनके संगीत से जुड़ी लोकप्रिय रचनाओं में ह्यआज वगडावो रूडा शरणाई ने ढोलह्ल और ह्यमने एकली मेलीनेह्ल जैसे गीत शामिल हैं। उनकी कई रचनाएं आज भी गुजराती संगीत प्रेमियों के बीच लोकप्रिय हैं। उनकी चर्चित रचनाओं में ह्यबेना रेह्ल भी शामिल है। इस गीत को अनुराधा पौडवाल ने आवाज दी थी, इसके गीतकार उनके पिता अविनाश व्यास थे और संगीत गौरांग व्यास ने दिया था। इस तरह यह रचना पिता-पुत्र की संगीत परंपरा का भी एक अनूठा उदाहरण बनी। गौरांग व्यास को संगीत विरासत में मिला था। उनके पिता अविनाश व्यास गुजराती फिल्म और संगीत जगत के प्रतिष्ठित नामों में शामिल थे। हालांकि गौरांग व्यास ने अपनी प्रतिभा और प्रयोगों के बल पर संगीत की दुनिया में अलग पहचान बनाई और गुजराती संगीत की समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाया।

प्रधानमंत्री मोदी ने संगीतकार गौरंग व्यास के निधन पर दुख जताया

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को गुजराती संगीतकार गौरंग व्यास के निधन से गहरा दुख व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, ₹गुजराती संगीत जगत के संगीतकार गौरंग व्यास के निधन से हमें गहरा दुख हुआ है। अपने पिता अविनाश व्यास की समृद्ध संगीत परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, उन्होंने गुजराती संगीत के क्षेत्र में अपनी एक खास पहचान बनाई थी। उनके निधन से गुजरात ने एक प्रतिभाशाली कलाकार को खो दिया है। गुजराती संगीत में उनके अमूल्य योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना और उनके शोकाकुल परिवार तथा बड़ी संख्या में मौजूद उनके प्रशंसकों के प्रति संवेदना... ओम शांति...!!

ईडी का 290 करोड़ की बैंक धोखाधड़ी में कोलकाता में 11 जगह छापा

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोहिनूर पावर प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े 290 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में कोलकाता में 11 ठिकानों पर छापा मारा है। तलाशी के दायरे में कंपनी के प्रवर्तक प्रशांत बोथरा और विजय बोथरा समेत समूह के अन्य निदेशकों तथा ऑडिटरों के परिसर शामिल हैं। ईडी के अनुसार, कोहिनूर पावर प्राइवेट लिमिटेड ने झारखंड में 66 मेगावाट क्षमता के बिजली संयंत्र के लिए बैंकों से ऋण लिया था। आरोप है कि ऋण की रकम को समूह की अन्य कंपनियों और व्यक्तिगत इस्तेमाल के लिए दूसरी जगह स्थानांतरित किया गया। बाद में कंपनी राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) में चली गई और परिसमापन की प्रक्रिया में बैंकों को केवल करीब 7 करोड़ रुपये ही वापस मिल सके, जिससे ऋणदाताओं को भारी नुकसान हुआ। ईडी के मुताबिक, एजेंसी के कोलकाता जोनल कार्यालय द्वारा मौजूदा तलाशी कार्रवाई के तहत समूह के प्रवर्तकों प्रशांत बोथरा और विजय बोथरा के परिसरों के अलावा अन्य निदेशकों और ऑडिटरों से जुड़े ठिकानों की भी जांच की जा रही है। इनमें संबंधित कार्यालय परिसर भी शामिल हैं। एजेंसी की कार्रवाई बैंक धोखाधड़ी मामले में ऋण की रकम के कथित दुरुपयोग और उसके प्रवाह से जुड़े तथ्यों की जांच के तहत की जा रही है।

पुलिस की गोली से दो पुलिस कर्मियों की मौत

कामरूप (असम) : कामरूप ग्रामीण जिले के बोको इलाके में एक पुलिस जवान द्वारा एके 47 राइफल से चौकी प्रभारी और एक अन्य सहकर्मी की हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि गामोरीमुरा पुलिस पहरा चौकी के प्रभारी इंद्रजीत बोरा और पुलिस जवान फजरुल अली की अन्य एक पुलिस जवान ने ऐके 47 राइफल से गोली मारकर हत्या कर दी । दोनों पुलिसकर्मी की हत्या करने वाले अन्य पुलिसकर्मी चिरंजीवी चौधरी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है । चिरंजीवी ने प्रभारी और अन्य एक सहकर्मी को गोली क्यों मारी इसकी जानकारी अभी नहीं मिल पाई है । पुलिस इस संबंध में हत्या का एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार पुलिस जवान से सघन पूछताछ कर रही है। पुलिस दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

मप्र में मजबूत हो रहा सड़क नेटवर्क, विजन 2047 के तहत 1.05 लाख करोड़ के रोड नेटवर्क की योजना तैयार

भोपाल : मध्य प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में सड़क कनेक्टिविटी को व्यापक और मजबूत बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर एक साथ काम किया जा रहा है। नए ग्रीनफील्ड कॉरिडोर, फोरलेन मार्ग और रिंग रोड के माध्यम से प्रदेश के प्रमुख शहरों को देश के बड़े आर्थिक, औद्योगिक और धार्मिक केंद्रों से जोड़ा जा रहा है। इसका उद्देश्य बेहतर आवागमन के साथ व्यापार, उद्योग, निवेश और रोजगार के नए अवसर तैयार करना है। मंत्री राकेश सिंह ने बुधवार को एक बयान में बताया कि वाराणसी-विशाखापट्टनम कॉरिडोर के प्रथम चरण में वाराणसी से नागपुर तक कनेक्टिविटी विकसित करने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके अंतर्गत मध्य प्रदेश में जबलपुर-रीवा से लेकर उत्तरप्रदेश सीमा तक और दक्षिण में नागपुर तक मार्ग का निर्माण किया जाएगा। इससे महाकौशल और विंध्य सहित मध्यप्रदेश के बड़े हिस्से को उत्तर प्रदेश और आगे महाराष्ट्र से बेहतर सड़क संपर्क मिलेगा। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित अशोकनगर-सागर-जबलपुर-नागपुर फोरलेन मार्ग तथा सागर-कोटा ग्रीनफील्ड कॉरिडोर के माध्यम से मध्यप्रदेश की राजस्थान और गुजरात की दिशा में कनेक्टिविटी मजबूत होगी। सागर-कोटा कॉरिडोर एनएचएआई की कार्ययोजना में शामिल है। मध्य प्रदेश के प्रमुख आर्थिक केंद्रों को जोड़ने के लिए जबलपुर-भोपाल-इंदौर ग्रीनफील्ड कॉरिडोर की योजना भी महत्वपूर्ण है। जबलपुर से भोपाल तक का मार्ग एमपीआरडीसी तथा भोपाल से इंदौर तक का मार्ग एनएचएआई द्वारा विकसित किया जाना प्रस्तावित है। इसके पूर्ण होने से प्रदेश के तीन प्रमुख शहर एक तेज और मजबूत नेटवर्क से जुड़ेंगे तथा इंदौर-उज्जैन के माध्यम से दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डीएमआईसी तक बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। इसी क्रम में खंडवा (आशापुर)- नर्मदापुरम-जबलपुर-रीवा/सतना कॉरिडोर की तैयारी भी की जा रही है। यह मार्ग पश्चिमी मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की दिशा में कनेक्टिविटी को और मजबूत करेगा। मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि इन परियोजनाओं को अलग-अलग सड़क कार्यों के रूप में नहीं, बल्कि मध्य प्रदेश के समग्र कनेक्टिविटी नेटवर्क के रूप में विकसित किया जा रहा है। रिंग रोड और विभिन्न दिशाओं से जुड़ने वाले कॉरिडोर भविष्य में लॉजिस्टिक पार्क, वेयरहाउसिंग, कोल्ड स्टोरेज, ट्रांसपोर्ट टर्मिनल, कृषि-प्रसंस्करण केंद्र और औद्योगिक क्लस्टर के विकास का आधार बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि अच्छी सड़क केवल यात्रा को आसान नहीं बनाती, बल्कि उद्योग, व्यापार, निवेश और रोजगार का रास्ता भी खोलती है। मध्यप्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों को राष्ट्रीय सड़क नेटवर्क से जोड़ने का यह अभियान प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति देने और विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्य को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम द्वारा अनेक महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण की जिम्मेदारी ली जा रही है। इससे प्रदेश में सड़क अधोसंरचना के विकास के लिए संस्थागत क्षमता मजबूत होगी और राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के साथ राज्य की अपनी कनेक्टिविटी परियोजनाओं को भी गति मिलेगी।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में तेजी का रुख

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के कारोबार के बाद कमजोरी के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में आज आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण लगातार तीन दिन की गिरावट से उबरते हुए वॉल स्ट्रीट के सूचकांक हरे निशान में बंद होने में सफल रहे। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 295.01 अंक यानी 0.56 प्रतिशत उछल कर 53,061.89 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.46 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,666.60 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 118.05 अंक यानी 0.45 प्रतिशत उछल कर 26,217.83 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 53,110.98 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ 10,756.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,280.63 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 130.78 अंक यानी 0.51 प्रतिशत टूट कर 25,839.33 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आज आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में इकलौता हैंग सेंग इंडेक्स फिलहाल 0.08 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 25,291 अंक के स्तर पर तक गिर गया है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 136.50 अंक यानी 0.57 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,101.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.52 प्रतिशत उछल कर 5,773.81 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स में आज जबरदस्त तेजी नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 108.36 अंक यानी 1.62 प्रतिशत की छलांग लगा कर 6,671.08 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.76 प्रतिशत की उछाल के साथ 6,646.42 अंक के स्तर तक आ गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.47 प्रतिशत उछल कर 1,582.53 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.43 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,958.19 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 200.07 अंक यानी 0.43 प्रतिशत की मजबूती के साथ 46,364.79 अंक के स्तर पर और निक्केई इंडेक्स 209.36 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की तेजी के साथ 64,535 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

सोन नदी का बढ़ रहा जलस्तर, बाढ़ प्रभावित इलाकों के लिए रेड अलर्ट जारी

संवाददाता

गढ़वा : जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। शहर से होकर गुजरने वाली सरस्वती नदी में बुधवार को एक बुजुर्ग महिला के बह जाने की सूचना है। परिजनों ने महिला की काफी खोजबीन की, लेकिन अब तक उसका कोई पता नहीं चल सका है।

रेड अलर्ट जारीः मौसम विभाग ने गढ़वा जिले के लिए गुरुवार को रेड अलर्ट जारी किया है। इस बीच, एहतियात के तौर पर जिला प्रशासन ने जिले के सभी स्कूलों में दो दिन की छुट्टी घोषित कर रखी है। वहीं, कोयल, सोन और कनहर नदियों के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए पुलिस और प्रशासन की चौकसी बढ़ा दी गई है।

ग्रामीणों को सतर्क रहने की दी हिदायतः यूपी के ओबरा स्थित रिहंद डैम का चौथा फाटक खोले जाने के बाद सोन नदी के जलस्तर में भी तेजी से बढ़ोतरी की संभावना को देखते हुए केतार, भवनाथपुर और खरौंधी प्रखंड में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। संबंधित प्रखंडों के

बीडीओ और थाना प्रभारियों ने बुधवार को सोन नदी से सटे विभिन्न गांवों का दौरा कर ग्रामीणों को सतर्क किया और नदी के किनारे नहीं जाने की सख्त हिदायत दी गई। अधिकारियों ने परती, छातकुंड, पाचाडुमर, खैरवा, कधवन और लोहरगाड़ा सहित सोन नदी के तटीय इलाकों का जायजा लिया।

गोताखोरों को अलर्ट रखने का निर्देशः वहीं, गढ़वा डीसी पीएन मिश्रा ने जिले के अधिकारियों के साथ मझिआंव और कांडी इलाके का दौरा कर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कोयल और सोन नदी के आसपास के इलाकों का जायजा लेते हुए ग्रामीणों को जागरूक किया। डीसी ने कहा कि रिहंद बांध का चौथा फाटक खोले जाने के बाद सोन नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है। ऐसे में नदी के आसपास रहने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है।

डीसी ने कहा कि ग्रामीण मछली पकड़ने, नहाने या किसी अन्य कार्य से नदी में न जाएं। बच्चों को नदी की ओर जाने से रोकें। अगर नदी के जलस्तर में अचानक वृद्धि होती है तो तत्काल स्थानीय प्रशासन और पुलिस को सूचना दें। डीसी ने जिले के सभी बीडीओ, सीओ और थाना प्रभारियों को स्थानीय गोताखोरों को अलर्ट मोड में रखने का निर्देश दिया है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया जा सके।

बारिश के बाद प्रस्ताव पर किया जाएगा कार्यः डीसी

वहीं, कुछ किसानों ने फसल बर्बाद होने को लेकर प्रशासन के समक्ष अपनी नाराजगी जताई। इस पर डीसी पीएन मिश्रा ने संबंधित अंचल अधिकारी को मौके पर जांच कर प्रतिवेदन सौंपने का निर्देश दिया। ग्रामीणों ने नदी के किनारे पक्के तटबंध के निर्माण का सुझाव भी दिया है। जिला प्रशासन ने कहा कि बरसात के बाद इस प्रस्ताव पर भी आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज IN ब्रीफ

एनजीटी रोक के बीच नदी से सीधे उठाया जा रहा है बालू : ज्योत्सना केरकेट्टा

रांची/बुंडू : बुंडू अनुमंडल क्षेत्र में बालू के कथित अवैध उठाव और परिवहन को लेकर आदिवासी नेत्री ज्योत्सना केरकेट्टा ने प्रशासन और खनन विभाग से जांच की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि ठक्कछ के निदेशों के बावजूद कुछ स्थानों पर नदी से सीधे बालू उठाकर वाहनों के माध्यम से रांची सहित अन्य क्षेत्रों में भेजा जा रहा है।

ज्योत्सना केरकेट्टा के अनुसार, तंजू, करमबू, बूढ़ाडीह, बादला, सुटिलोग और बामलाडी समेत कई इलाकों से बालू उठाव की शिकायतें सामने आई हैं। उनका दावा है कि कुछ जगहों पर अधिकृत स्टॉक यार्ड से बालू लोड करने के बजाय सीधे नदी से वाहनों में बालू भरा जा रहा है। उन्होंने संबंधित बालू घाटों की वैधता और परिवहन किए जा रहे बालू के वास्तविक स्रोत की जांच कराने की मांग की है।

स्टॉक और चालान का भौतिक सत्यापन कराने की मांग : केरकेट्टा ने बालू स्टॉक होल्डरों के भंडार का भौतिक सत्यापन कराने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि स्टॉक में उपलब्ध बालू की मात्रा का मिलान स्टॉक रजिस्टर, खरीद दस्तावेज और परिवहन चालान से किया जाना चाहिए। इससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि बालू कहां से आया और कितनी मात्रा में उसका परिवहन किया गया।

उन्होंने 400 सीएफटी के चालान पर उससे अधिक मात्रा में बालू परिवहन किए जाने की शिकायत का भी उल्लेख किया। प्रशासन से वाहनों की जांच कर चालान में दर्ज मात्रा और वास्तविक लोड का मिलान कराने की मांग की गई है।

बिहार और पश्चिम बंगाल भेजे जाने की शिकायत : ज्योत्सना केर-केट्टा ने कांची नदी से बालू उठाकर बिहार और पश्चिम बंगाल भेजे जाने की शिकायत की भी जांच कराने की मांग की है। उन्होंने संबंधित वाहनों, चालान और बालू के स्रोत की जांच के साथ-साथ परिवहन की वैधता की भी जांच करने की बात कही है।

प्रशासनिक जांच से होगी आरोपों की पुष्टि : इस मामले में नदी से सीधे बालू उठाव, स्टॉक यार्ड के बजाय नदी से लोडिंग और चालान से अधिक मात्रा में बालू परिवहन किए जाने के आरोप लगाए गए हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। ठक्कछ के संबंधित आदेश, वैध बालू घाटों की सूची, स्टॉक लाइसेंस, स्टॉक रजिस्टर, खरीद दस्तावेज और परिवहन चालान जैसे सरकारी रिकॉर्ड के आधार पर ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

ज्योत्सना केरकेट्टा ने बुंडू प्रशासन और खनन विभाग से नदी घाटों, स्टॉक यार्ड और बालू लदे वाहनों की संयुक्त जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान यदि नियमों का उल्लंघन या अनियमितता सामने आती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

इंडिया गठबंधन के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य सचिव से की मुलाकात

रांची : छात्रों से जुड़े विभिन्न मुद्दों और हालिया छात्र आंदोलन को लेकर इंडिया गठबंधन के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य सचिव से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस, राजद, झामुमो और माले के नेता शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य सचिव के समक्ष मांग रखी कि छात्र आंदोलन और छात्रों के नाम पर अराजकता फैलाने वाले तत्वों को अलग-अलग चिन्हित कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। प्रतिनिधिमंडल में शामिल कांग्रेस नेता राजेश ठाकुर ने कहा कि छात्र आंदोलन के दौरान गठबंधन के लोग छात्रों के साथ खड़े थे। छात्रों की मांगों पर सरकार ने गंभीरता से विचार करते हुए कार्रवाई भी की है। उन्होंने कहा कि आंदोलन के बाद पूरे मामले को अलग दिशा में ले जाकर भ्रम की स्थिति पैदा करने की कोशिश की गई।

जांच की गति तेज करने की मांग : राजेश ठाकुर ने कहा कि आंदोलन से पहले ही सीआईडी ने मामले में कार्रवाई शुरू कर दी थी। पूर्व अध्यक्ष को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है और दो दर्जन से अधिक आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। मामले में पूछताछ और जांच जारी है। उन्होंने सीजीएल से जुड़े मामले में भी जांच की गति तेज करने की मांग की।

वीडियो फुटेज मुख्य सचिव को सौंपा : प्रतिनिधिमंडल ने आंदोलन के दौरान हुई घटनाओं से जुड़े वीडियो फुटेज भी मुख्य सचिव को सौंपे। नेताओं ने कहा कि पुलिस की कार्रवाई को लेकर लगातार सवाल उठाए जाते रहे हैं, इसलिए आंदोलन में शामिल लोगों और अराजक गतिविधियों में शामिल तत्वों की पहचान कर निष्पक्ष कार्रवाई की जानी चाहिए।प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि छात्र आंदोलन की आड़ में भाजपा के विभिन्न विंग से जुड़े लोगों ने माहौल बिगाड़ने की कोशिश की। नेताओं ने कहा कि सरकार को बदनाम करने के लिए अराजकता फैलाने वालों पर कार्रवाई जरूरी है। हालांकि, यदि किसी छात्र की भी भूमिका कानून-व्यवस्था बिगाड़ने में सामने आती है तो उसके खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए। छात्रों के प्रति सहानुभूति, अराजक तत्वों पर हो कार्रवाई : जेएमएम नेताओं ने कहा कि छात्रों के प्रति पूरी सहानुभूति है और उनकी जायज मांगों पर सरकार को गंभीरता से काम करना चाहिए। साथ ही छात्रों की आड़ में अराजकता फैलाने वालों के खिलाफ 48 घंटे के भीतर कार्रवाई की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने सीआईडी जांच में तेजी लाने और दोषियों पर कार्रवाई सुनिश्चित करने का आग्रह भी मुख्य सचिव से किया।

घाटशिला सड़क दुर्घटना में घायल पांच वर्षीय बच्ची की मौत

जमशेदपुर : घाटशिला के अमायनगर पुलिया पर बुधवार रात हुए सड़क दुर्घटना में घायल पांच वर्षीय बच्ची श्रिया कृष्णा सिन्हा की टीएमएच में इलाज के दौरान मौत हो गई वहीं घायल सुब्रत सिन्हा, सुष्मिता सिन्हा और शुभ्रदीप कृष्णा सिन्हा का इलाज चल रहा है। सुब्रत की स्थिति गंभीर बनी हुई है वहीं सुष्मिता और शुभ्रदीप का पैर टूट गया है। परिजनों ने बताया कि जेएसएलपीएस में कार्यरत है वहीं सुष्मिता प्ले स्कूल में शिक्षिका है। रात को सभी पुलिया पर खड़े थे। इसी दौरान कार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सुष्मिता पुल से सीधे नदी में जा गिरी।

घटना के बाद घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया वहीं सुष्मिता की तलाशी के लिए अभियान चलाए गया। रात 12.30 बजे सुष्मिता घटना स्थल से दो किमी दूर मिली।

हत्या के 12 घंटे बाद भी अपराधी पुलिस की पकड़ से दूर

लोगों ने जपला-छतरपुर मुख्य सड़क की जाम, जपला बाजार भी कराया बंद

मेट्रोरेज संवाददाता

हुसैनाबाद : बुधवार की रात हुसैनाबाद थाना क्षेत्र में 32 वर्षीय ओमप्रकाश सिंह उर्फ छोटू सिंह की गोली मारकर हत्या के विरोध में गुरुवार सुबह लोगों का आक्रोश सड़क पर उतर आया। आक्रोशित लोगों ने सिद्धनाथ पेट्रोल पंप के समीप जपला-छतरपुर मुख्य सड़क को जाम कर दिया है। साथ ही जपला बाजार को भी बंद करा दिया है। कल जन्माष्टमी का पर्व है और ऐसी स्थिति में हुसैनाबाद में ऐसे भय के माहौल में आम लोगों को आवश्यक सामानों की खरीददारी में काफी दिक्कत हो रही है। प्रदर्शनकारी हत्यारों की जल्द गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हुए हैं। हालांकि शव को पोस्टमार्टम हेतु अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद से मेदिनीनगर रेफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, बुधवार रात करीब 8:30 बजे ओमप्रकाश सिंह किसी काम से स्कॉर्पियो से पुरन्दर बिगहा-जपला दंगवार रोड की ओर गए थे। इसी दौरान अज्ञात अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी बाइक से फरार हो गए।

घटना के बाद से इलाके में तनाव और आक्रोश का माहौल है। सड़क जाम कर रहे लोगों का आरोप है कि करीब 12 घंटे से ज्यादा समय बीत जाने के बावजूद पुलिस अब तक किसी अपराधी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। लोगों ने हत्याकांड का जल्द खुलासा करते हुए सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

इधर, सड़क जाम की सूचना मिलते ही हुसैनाबाद थाना प्रभारी चंदन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और आक्रोशित लोगों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी समेत अन्य कार्रवाई की जा रही है।हत्याकांड के बाद सड़क जाम से मुख्य मार्ग पर आवागमन प्रभावित हुआ है। मौके पर पुलिस बल तैनात है और लोगों को समझाकर जाम हटाने का प्रयास जारी है।

सर हमें है आप पर गर्व

देवघर उपायुक्त भादो माह में बाबा के दर्शन के लिए बेहतर व्यवस्था बनाने में जुटे

बिनय मिश्रा

देवघर के उपायुक्त सौरभ कुमार भुवनिया अपने पद स्थापना काल के महज चार माह में ही अपनी बेहतर कार्य दक्षता, उत्कृष्ट और सुलभ व्यवस्था से प्रख्यात श्रावणी मेले के संचालन एवं कांवरियों, श्रद्धालुओं और भक्तजनों को उपलब्ध करा कर देवघर जिला प्रशासन की कर्मठता और जवाबदेही का निर्वहन किया है और इसी का यह परिणाम है कि एक माह तक चलने वाले इस श्रावणी मेले में सबको सुगम तरीके से बाबा के दर्शन कराने के दायित्व का निर्वहन किया। उपायुक्त ने झारखंड के वरीय पत्रकार विनय मिश्रा से बातचीत के क्रम में बताया कि श्रावण माह के पश्चात अब भादों माह में बाबा के दर्शन हेतु आने वाले भक्तजनों और श्रद्धालुओं की सुविधा की व्यापक रूप से सुधि ली जा रही है और उन्हें बेहतर ढंग से सुविधा भी प्राप्त करवाई जा रही है।

गौर तलब हो कि उपायुक्त सौरभ कुमार भुवनिया देवघर के 48 वें उपायुक्त के रूप में योगदान देने के साथ ही जिला में विकास कार्यों को भरपूर गति दे रहे

हैं। इससे पूर्व श्री भुवनिया खूंटी के 15 वें उपायुक्त के रूप में काफी अल्प समय के लिए पदस्थापित रहे तथा वे रांची के लोकप्रिय उप विकास आयुक्त भी रह चुके हैं। ऐसे आईएएस अधिकारी और उपायुक्त से राज्य और जिला दोनों गौरवान्वित होते हैं।

कंटेनर की चपेट में आने से मवेशियों की मौत

लेस्लीगंज : थाना क्षेत्र के राजोगाड़ी गांव के पास बुधवार रात कंटेनर की चपेट में आने से पांच गायों की मौत हो गई।हादसा पांकी-मेदिनीनगर मुख्य पथ पर हुआ।घटना की सूचना मिलते ही लेस्लीगंज थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई कार्य शुरू की।जानकारी के अनुसार, घटना करीब रात 10:30 बजे की है।मुख्य सड़क के किनारे प्रतिदिन मवेशियों को बांधा जाता था।बुधवार की रात भी सड़क किनारे गायें बंधी हुई थीं।इसी दौरान एक कंटेनर अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया और सड़क किनारे बंधी गायों को अपनी चपेट में ले लिया।हादसे में पांच गायों की कंटेनर से दब कर मौत होने की सूचना है।घटना के बाद कंटेनर भी पलट गया।सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त कंटेनर को हटाने तथा घटनास्थल पर राहत एवं बचाव कार्य में जुट गई।

दहेज के लिए विवाहिता को प्रताड़ित करने का आरोप, संदिग्ध मौत

पति समेत सास-ससुर पर प्राथमिकी, हुसैनाबाद पुलिस ने शुरू की जांच

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : हुसैनाबाद थाना क्षेत्र में दहेज प्रताड़ना के बाद एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका की मां लालो देवी के बयान पर हुसैनाबाद थाना में पति समेत तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

प्राथमिकी के अनुसार, लालो देवी पति रामनिवास रजवार, ग्राम-जोगाबांध थाना-नबीनगर(बिहार) की बेटी रूबी कुमारी की शादी वर्ष 2024 में मंटेश कुमार, पिता राजदेव राजवार, निवासी इमलिया टिकर, थाना हुसैनाबाद के साथ हुई थी। शादी के कुछ दिनों बाद से ही ससुराल पक्ष पर रूबी को दहेज में पांच लाख रुपये और सोने की चेन समेत अन्य सामान के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया गया है।

आवेदन में कहा गया है कि रक्षाबंधन के दौरान रूबी मायके आई थी। इसके बाद 31 अगस्त की शाम करीब चार बजे रुबी के भाई पवन ने उसे ससुराल पहुंचा दिया। मायके आने के बाद ससुराल पक्ष के लोगों ने दहेज लाने के बाद ही ससुराल में आने की धमकी दी थी। इस कारण दहेज को लेकर ससुराल वालों ने विवाद करते हुए गाली-गलौज व मारपीट की। प्राथमिकी में यह भी आरोप है कि रूबी को बार-बार मरने के लिए उकसाया जाता था तथा उसके पति और सास-ससुर उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे।

एक सितंबर को रिश्तेदारों के मोबाइल पर सूचना मिली कि रूबी की तबीयत ठीक नहीं है। परिजन जब पहुंचे तो वह बिस्तर पर मृत अवस्था में पड़ी मिली। मृतका की मां ने दहेज प्रताड़ना के कारण बेटी की मौत होने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। मामले में पुलिस ने पति मंटेश कुमार, सास बतसिया देवी और ससुर राजदेव राजवार के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 80 और 3(5) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

सीएनजी लदे ट्रक में लीकेज ड्राइवर की सूझबूझ से टला हादसा

संवाददाता

पलामू : सदर थाना क्षेत्र के जोड़ स्थित नेशनल हाईवे पर सीएनजी लदे ट्रक के सिलेंडर में अचानक लीकेज होने से हड़कंप मच गया। गैस रिसाव की जानकारी मिलते ही चालक ने सूझबूझ का परिचय देते हुए ट्रक को हाईवे से नीचे उतार दिया। इससे हाईवे पर किसी बड़े हादसे की आशंका टल गई। हालांकि फिलहाल सिलेंडर से रिसाव बंद हो चुका है। ट्रक में करीब 13 टन सीएनजी लदा हुआ है। जानकारी के अनुसार ट्रक सीएनजी सिलेंडर लेकर चतरा से पंडवा के लोहड़ा स्थित पेट्रोल पंप गया था।जहां अनलोड नहीं होने के कारण वापस चियांकी लेकर जा रहा था। इसी दौरान जोड़ गांव के पास अचानक सिलेंडर से गैस का रिसाव होने लगा। चालक ने स्थिति को भांपते हुए वाहन को सड़क पर खड़ा करने के बजाय नीचे उतार दिया।

घटना की सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने एहतियात के तौर पर वाहनों के रूट को डायवर्ट किया। फिलहाल ड्राइवर द्वारा लीकेज को नियंत्रित कर लिया गया है। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

प्रदेश भाजपा किसान मोर्चा ने हर्षोल्लास के साथ मनाया भगवान बलराम की जयंती

रांची : भाजपा किसान मोर्चा ने भगवान बलराम की जयंती, भाजपा प्रदेश कार्यालय रांची में हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस पावन अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय, प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा , झरिया विधायक रागिनी सिंह,पूर्व सांसद गीता कोड़ा, सह कार्यालय मंत्री सूरज चौरसिया, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू , प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश सिंह, प्रदेश महामंत्री अजय मुंडा, प्रदेश मंत्री डॉ विनोद ठाकुर, कार्यालय मंत्री सज्जन पंकज, प्रदेश मीडिया प्रभारी सुनील कुमार सिंह, सुरेंद्रनाथ, राजीव नाथ शाहदेव, अवधेश दुबे, बैजनाथ साहू,सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने शक्ति एवं पराक्रम के प्रतीक भगवान बलराम की चित्र पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए, पुष्पांजलि अर्पित की। मौके पर प्रदेश पदाधिकारियों ने भगवान बलराम की महत्ता के बारे में बताया। उन्होंने संयुक्त रूप से कहा कि कृषि और बल के प्रतीक भगवान बलराम को हल और मूसल धारण करने के कारण हलायुद्ध भी कहा जाता है। वह पराक्रम और कृषि समृद्धि के प्रतीक हैं, इसलिए कृषक भाईयों ने अपने अच्छी खेती और अच्छे फसल उगाने के लिए भगवान बलराम जी की पूजन कर अन्नझ धन और कृषि की रक्षा की प्रार्थना करते हैं। वक्ताओं ने कहा कि इन्हें भगवान कृष्ण का प्रथम विस्तार और मूल आध्यात्मिक गुरु (आदि गुरु) माना जाता है। उन्होने उत्तर भारत के कई हिस्सों में हल षष्ठी या ललही छठ के रूप में भी मनाया जाता है। जहां माताएं अपनी संतान की लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य के लिए व्रत रखती हैं।

260 से ज्यादा पहियों वाली गाड़ी से रामगढ़ घाटी में लगा जाम, विशाल मशीन देखने उमड़ी भीड़

संवाददाता

रामगढ़ : 260 से अधिक पहियों वाली विशाल गाड़ी और उस पर लदी बड़ी मशीन गुरुवार को लोगों के लिए कौतूहल का विषय बनी रही। रांची-हजारीबाग रोड पर सुबह से शुरू हुई इस विशेष वाहन की यात्रा करीब 10 बजे रामगढ़ घाटी पहुंची। भारी-भरकम वाहन के घाटी में प्रवेश करते ही सड़क पर जाम की स्थिति बन गयी।

10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली गाड़ीः विशाल वाहन की रफ्तार करीब 10 किलोमीटर प्रति घंटे रही। इसके पीछे दूसरे वाहनों की लंबी कतार लग गयी। वाहन का आकार इतना बड़ा था कि दूसरी गाड़ियों के लिए उसे क्रॉस करना भी मुश्किल हो रहा था। कुछ देर बाद कई वाहनों को मजबूरी में रॉन्ग लेन का सहारा लेना पड़ा।

एक ही लेन से चलता रहा आवागमनः विशाल वाहन के कारण एनएच-33 के रांची-बरही मार्ग पर यातायात प्रभावित

रहा। सड़क पर जगह मिलने पर ही पीछे फंसे वाहन आगे निकल पा रहे थे। दिनभर रुक-रुककर जाम की स्थिति बनी रही और वाहन चालक काफी देर तक फंसे रहे।

विशाल मशीन देखने सड़क पर उमड़ी भीड़ः इस दौरान सड़क पर एक अलग ही नजारा देखने को मिला। विशाल गाड़ी और उस पर लदी मशीन को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग सड़क किनारे खड़े हो गये। लोग मोबाइल फोन से फोटो और वीडियो बनाने के साथ रील भी बनाते नजर आये।